हिन्दी साप्ताहिक

भारत निविदा लाईन समाचार

भारत निविदा लाईन समाचार पत्र क्राइम की हर खबर....

■ वर्ष : 19 ■ अंक: 36 ■ नई दिल्ली 03 से 09 जुलाई 2026 ■ पृष्ठ : 08 ■ मूल्य : 02 रुपए

सामंथा की मां इंटी बगारम का बनेगा सीक्वल

भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंधों को मिली नई गति

रक्षा, ऊर्जा, शिक्षा और प्रौद्योगिकी सहित 18 प्रमुख समझौते

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया ने व्यापक रणनीतिक साझेदारी के तहत गुरुवार को रक्षा, समुद्री सुरक्षा, ऊर्जा विशेषकर नाभिकीय ऊर्जा, साइबर सुरक्षा, शिक्षा, कौशल विकास, खनन, विज्ञान, प्रौद्योगिकी तथा सांस्कृतिक विरासत सहित विभिन्न क्षेत्रों में 18 महत्वपूर्ण समझौतों और पहलों को अपनाया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज मेलबर्न में प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज के साथ सार्थक वार्ता की। वार्ता के नतीजों के तहत अब आस्ट्रेलिया से भारत को यूरेनियन की सप्लाई होगी। आस्ट्रेलिया तीन प्राचीन कलाकृतियां भारत को लौटाएगा। रक्षा क्षेत्र में सहयोग में दोनों देशों ने कई नए विषयों को शामिल किया है।

दोनों नेताओं ने वार्ता के दौरान भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी में हुई मजबूत प्रगति की समीक्षा की। प्रधानमंत्री ने वार्ता के बाद संयुक्त वक्तव्य में बताया, हमने व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते यानी सीईसीए पर तेजी से काम करने का निर्णय लिया है।

प्रधानमंत्री ने अपने वक्तव्य में दोनों देशों की वैश्विक मुद्दों पर राय भी सामने रखी। उन्होंने कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया मानते हैं कि आतंकवाद केवल किसी एक देश के लिए नहीं, बल्कि पूरी मानवता

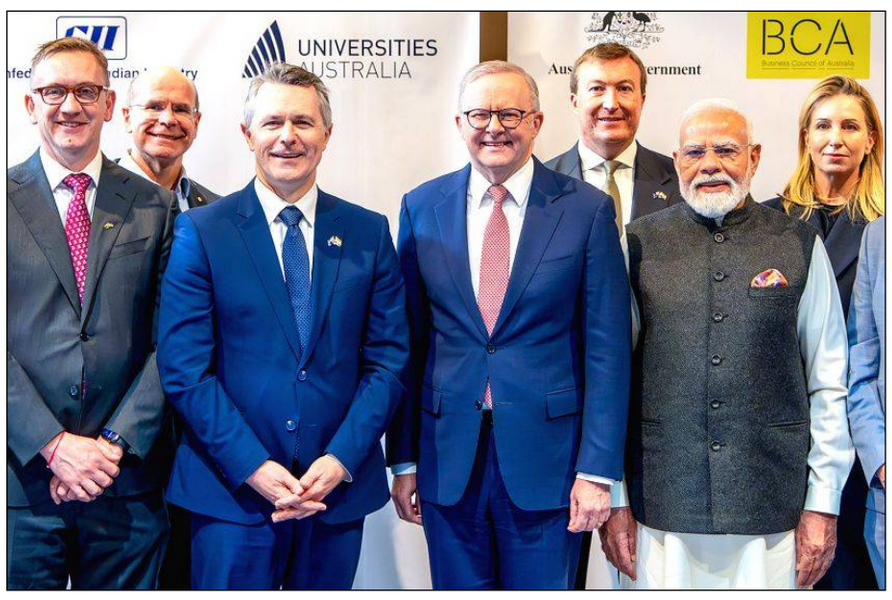

के लिए गंभीर चुनौती है। इसलिए आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई साझा और संकल्प अटूट है।

उन्होंने कहा कि हमारा यह भी मानना है कि विश्व के अनेक भागों में चल रहे तनावों और युद्धों का समाधान बातचीत और कूटनीति से ही संभव है। पूरे हिन्द-प्रशांत क्षेत्र में दोनों देश मिलकर शांति, स्थिरता, नौवहन की स्वतंत्रता और नियम आधारित व्यवस्था को और मजबूत करेंगे। इस दौरान ऑस्ट्रेलिया-कनाडा-भारत प्रौद्योगिकी एवं नवाचार साझेदारी के तहत सहयोग को आगे बढ़ाने पर भी सहमति व्यक्त की गई।

भारतीय कलाकृतियों एवं धरोहरों की वापसी के क्रम में कुछ और नाम जुड़े। आस्ट्रेलिया तमिलनाडु की तीन प्राचीन कलाकृतियों को वापस करेगा। इसमें शिव के वाहन पवित्र बैल नंदी (11वीं से 12वीं शताब्दी की ग्रेनाइट), शुभ काली (भद्रकाली) के साथ त्रिशूल (11वीं शताब्दी, कांसे) एवं छह सिर वाले स्कंद (कार्तिकेय) (12वीं शताब्दी, बेसाल्ट) कलाकृति शामिल है।

दोनों देशों के बीच महत्वपूर्ण समझौतों में संयुक्त रक्षा एवं सुरक्षा सहयोग घोषणा का नवीनीकरण शामिल है। इसके तहत सैन्य अंतर-संचालन क्षमता, समुद्री क्षेत्र जागरूकता, रक्षा उद्योग, साइबर सुरक्षा, आतंकवाद रोधी सहयोग, मानवीय सहायता एवं आपदा राहत तथा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके साथ ही समुद्री सुरक्षा सहयोग रोडमैप, ऊर्जा सुरक्षा पर संयुक्त वक्तव्य, भारत-ऑस्ट्रेलिया असैन्य परमाणु समझौते के प्रशासनिक प्रबंध को अंतिम रूप तथा साइबर, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी और आपूर्ति श्रृंखला साझेदारी (पीएसीटीएस) पर भी सहमति बनी। दोनों देशों ने भारतीय तटरक्षक बल और ऑस्ट्रेलियाई मैरीटाइम बॉर्डर कमांड के बीच सहयोग बढ़ाने, वर्ष 2028-29 में ऑस्ट्रेलियन डिफेंस कॉलेज में भारतीय सैन्य प्रशिक्षक की नियुक्ति से जुड़े समझौते भी किए हैं।

शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में ऑस्ट्रेलिया के सहयोग से भुवनेश्वर स्थित राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान में खनन एवं खनन उपकरण उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया जाएगा। फ्लिंडर्स विश्वविद्यालय बेंगलुरु में कैंपस स्थापित करेगा। इसके अलावा विक्टोरिया विश्वविद्यालय गुड़गांव में अपना शिक्षा परिसर बनाएगा। व्यावसायिक शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने, वैज्ञानिक अनुसंधान, भू-विज्ञान, पारंपरिक ज्ञान, फिल्म शिक्षा तथा नवाचार के क्षेत्र में भी कई समझौते किए गए। गांधीनगर में रूफटॉप सौर प्रशिक्षण अकादमी को आस्ट्रेलिया के सहयोग से संचालन में लाकर हरित ऊर्जा क्षेत्र में प्रशिक्षण दिया जाएगा।

भारत में 500 मिलियन डॉलर निवेश करेगा ऑस्ट्रेलियनसुपर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को भारत के नेशनल इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड (एनआईआईएफ) में ऑस्ट्रेलियनसुपर के 500 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर के अतिरिक्त निवेश का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि यह निवेश भारत की आर्थिक प्रगति और सुधारों पर वैश्विक निवेशकों के बढ़ते भरोसे का प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स पर जारी एक पोस्ट में कहा कि ऑस्ट्रेलियनसुपर का नया निवेश भारत की विकास यात्रा में दुनिया के विश्वास को दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा कि ये यह भारत की तेजी से बदलती अर्थव्यवस्था में मौजूद विशाल निवेश अवसरों का भी प्रमाण है। इस निवेश की घोषणा मेलबर्न में आयोजित ऑस्ट्रेलिया-भारत वार्षिक लीडर्स समिट के दौरान की गई। इस निवेश की घोषणा आज सुबह मेलबर्न में कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पॉल श्रोडर ने किया। ऑस्ट्रेलिया के सबसे बड़े पेंशन फंड ऑस्ट्रेलियनसुपर के सीईओ पॉल श्रोडर ने 500 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर के अतिरिक्त निवेश की जानकारी दी। अब इस निवेश के बाद भारत में सभी एसेट क्लास में ऑस्ट्रेलियनसुपर का कुल निवेश बढ़कर 3.3 बिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर हो गया है। वर्ष 2015 में स्थापित नेशनल इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड (एनआईआईएफ) का उद्देश्य भारत के बुनियादी ढांचा क्षेत्र में दीर्घकालिक संस्थागत निवेश को आकर्षित करना है। वर्तमान में ऑस्ट्रेलियनसुपर भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर, इक्विटी और प्राइवेट मार्केट में लगभग 2.8 बिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर का निवेश कर चुका है।

राम मंदिर ट्रस्ट ने रिकॉर्ड और तस्वीरें कीं जारी

अयोध्या, एजेंसी। अयोध्या के राम मंदिर को वर्ष 2021 में दान की गई 200 किलो चांदी को लेकर उठे सवालों पर अब श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने आधिकारिक जवाब जारी कर दिया है। ट्रस्ट ने कहा है कि दान में मिली पूरी चांदी का रिकॉर्ड सुरक्षित है और उसे नियमानुसार संरक्षित रखा गया है।

दरअसल, विश्व सिंधी सेवा संगम ने कुछ दिन पहले ट्रस्ट को एक पत्र भेजकर पूछा था कि 26 जनवरी 2021 को दान की गई 200 चांदी की ईंटों का क्या हुआ। संगठन का कहना था कि दान देने वाले लोगों को अब तक न तो इसकी आधिकारिक रसीद मिली है और न ही यह जानकारी दी गई कि मंदिर निर्माण या अन्य कार्यों में इस चांदी का इस्तेमाल कहां किया गया। इसी वजह से संगठन ने ट्रस्ट से पूरे मामले मंल स्पष्ट जानकारी मांगी थी।

ट्रस्ट ने अपने जवाब में बताया कि दान में मिली सभी 200 चांदी की ईंटों का विवरण ट्रस्ट के मूल्यवान धातु रजिस्टर में दर्ज है। ट्रस्ट के अनुसार, बाद में लिए गए एक निर्णय के तहत इन ईंटों के साथ अन्य उपलब्ध चांदी को भी पिघलाकर 99.99 प्रतिशत शुद्धता वाली 20-20 किलोग्राम की सिल्वर बार तैयार कराई गईं। ट्रस्ट का कहना है कि यह पूरी प्रक्रिया तय नियमों के अनुसार की गई।

अपने दावे के समर्थन में ट्रस्ट ने कुछ तस्वीरें भी साझा की हैं। इन तस्वीरों में चांदी का वजन, उसे पिघलाने की प्रक्रिया और तैयार की गई सिल्वर बार दिखाई गई हैं। ट्रस्ट ने बताया कि फिलहाल ये सिल्वर बार भारतीय स्टेट बैंक की अयोध्या शाखा के लॉकर में सुरक्षित रखी गई हैं। भविष्य में ट्रस्ट की आवश्यकताओं और मंदिर से जुड़े कार्यों में इनका उपयोग किया जाएगा। ट्रस्ट ने विश्व सिंधी सेवा संगम से यह भी अनुरोध किया है कि वह सभी 200 दानदाताओं के नाम, पते, मोबाइल नंबर, पैन और ईमेल की जानकारी उपलब्ध कराए। ट्रस्ट का कहना है कि यह जानकारी मिलने के बाद प्रत्येक दानदाता के नाम से अलग-अलग आधिकारिक रसीद जारी की जाएगी। इस तरह, दान में मिली 200 किलो चांदी को लेकर उठे सवालों पर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने दस्तावेजों, तस्वीरों और आधिकारिक जानकारी के साथ अपना पक्ष सार्वजनिक कर दिया है।

जंतर-मंतर पर सीजेपी का 20 दिनों से धरना जारी

भारी बारिश के बीच सोनम वांगचुक ने 20 जुलाई को संसद मार्च का किया आह्वान

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में लगातार हो रही भारी बारिश के बावजूद जंतर-मंतर पर 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) का धरना गुरुवार को 20वें दिन भी जारी है। प्रदर्शनकारी तिरपाल और बरसाती का सहारा लेकर डटे हुए हैं और अपनी मांगों के समर्थन में लगातार नारेबाजी कर रहे हैं। इस आंदोलन के मुख्य चेहरा सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक का अनशन 12वें दिन में प्रवेश कर चुका है। आंदोलनकारी मुख्य रूप से केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग कर रहे हैं, जबकि भूख हड़ताल पर बैठे एक छात्र की तबीयत बिगड़ने पर उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सोनम वांगचुक का अडिग संकल्प

सोनम वांगचुक ने अपने समर्थकों और स्वास्थ्य को लेकर चिंतित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि केवल अनशन

समाप्त करने से छात्रों को न्याय नहीं मिलेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह लड़ाई केवल एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि देश के लाखों छात्रों, शिक्षा प्रणाली और भविष्य की पीढ़ियों की है।

उन्होंने शिक्षा के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के मुद्दे को भी प्रमुखता से उठाया और कहा कि यदि समय रहते नीतियां नहीं बदली गईं, तो हिमालय और भारत की नदियों का अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा।

संसद तक शांतिपूर्ण मार्च की तैयारी

आंदोलन को और व्यापक बनाने के लिए सोनम वांगचुक ने 20 जुलाई को दिल्ली पहुंचने और संसद तक शांतिपूर्ण मार्च निकालने का आह्वान किया है। उन्होंने देश के युवाओं और जागरूक नागरिकों से अपील की कि वे केवल सोशल मीडिया तक सीमित न रहें, बल्कि लोकतांत्रिक तरीके से मैदान में आकर भागीदारी सुनिश्चित करें। वांगचुक का मानना है कि सामूहिक जनभागीदारी से ही सरकार पर दबाव बनाया जा सकता है और शिक्षा व पर्यावरण जैसे गंभीर मुद्दों पर कोई ठोस समाधान निकाला जा सकता है।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर सख्त हुए गडकरी

अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए

- अलवर में ढाबे हटाने, अतिक्रमण पर कार्रवाई और सड़क सुरक्षा मजबूत करने के निर्देश

अलवर, एजेंसी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को अलवर जिले के पिनान रेस्ट एरिया पहुंचकर दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने एक्सप्रेसवे की गुणवत्ता, सड़क सुरक्षा और लगातार हो रही दुर्घटनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए।

राजस्थान में प्रवेश पर पिनान रेस्ट एरिया में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने केंद्रीय मंत्री का बुके भेंट

कर स्वागत किया। निरीक्षण के दौरान जिला कलेक्टर आर्तिका शुक्ला, पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारी तथा अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। करीब एक घंटे तक पिनान रेस्ट एरिया में रुके केंद्रीय मंत्री ने दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे का विस्तृत प्रेजेंटेशन देखा और इसके बाद अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने हाल के सड़क हादसों के कारणों की जानकारी लेते हुए सड़क की गुणवत्ता को तकनीकी रूप से और बेहतर बनाने के निर्देश दिए।

गडकरी ने स्पष्ट कहा कि एक्सप्रेसवे पर बने अवैध ढाबों और अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। हाईवे पर खड़े ट्रकों को तत्काल हटाया जाए तथा सड़क किनारे अनधिकृत पार्किंग पर रोक लगाई जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि सड़क पर गड्ढों या क्षतिग्रस्त हिस्सों की तत्काल मरम्मत हो, नियमित मॉनिटरिंग की जाए और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सड़क सुरक्षा को और प्रभावी बनाने के लिए हाईवे पेट्रोलिंग बढ़ाने, पुलिस गश्त नियमित रखने तथा दुर्घटना संभावित क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश भी दिए।

मेनका गांधी के बयान पर जैन समाज में रोष, राष्ट्रपति को सौंपा ज्ञापन

राकेश कुमार शर्मा

उत्तर प्रदेशः आज दिगंबर जैन मुनियों की पिच्छी को लेकर दिए गए कथित बयान के विरोध में जैन समाज ने कलेक्ट्रेट पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में समाजजन जुटे और जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपा। पिच्छी हत्या से नहीं, प्रकृति से बनती है। ज्ञापन में कहा गया कि पिच्छी किसी जीव की हत्या से नहीं, बल्कि प्राकृतिक रूप से गिरे मोरपंखों से बनती है। इसका उद्देश्य सूक्ष्म जीवों की रक्षा और अहिंसा का पालन है। सोशल मीडिया पर चल रही "जैन मुनियों द्वारा सालाना 1.5 मिलियन मोर मारे जाने" जैसी चर्चा की भी तथ्यात्मक जांच की बात कही जा रही है। समाज ने कहा कि इस तरह की आधारहीन टिप्पणी से करोड़ों जैन अनुयायियों की धार्मिक भावना आहत हुई है। जैन समाज सहारनपुर के अध्यक्ष राजेश कुमार जैन ने कहा कि पूरा जैन समाज इस टिप्पणी से बेहद आहत है। जैन धर्म का मूल अहिंसा परमो धर्म है। मुनि चातुर्मास में जीव रक्षा के लिए भ्रमण तक सीमित कर देते हैं। मोर अपने पंख स्वयं छोड़ते हैं, उन्हीं से पिच्छी बनती है। हमारा विरोध किसी दल से नहीं, केवल धार्मिक भावना को ठेस पहुंचाने वाले

बयान से है।

अविनाश कुमार जैन का बयान नाटी उपमंत्री एवं भारतीय जैन मिलन क्षेत्रीय समन्वयक और पार्षद गौरव जैन ने कहा कि माफी नहीं मांगी तो कानूनी रास्ता अपनाएंगे, विरोध शांतिपूर्ण रहेगा। रेणु जैन, अध्यक्षा दिगंबर जैन महिला समाज ने आक्रोशित होते हुए कहा कि पिच्छी जीवदया का प्रतीक है, लाखों मोर मारने की बात भ्रामक है। विपिन कुमार जैन, उपाध्यक्ष जैन समाज ने कहा कि मौन प्रदर्शन हमारी संस्कृति है, बयान वापस लें मेनका गांधी ।संजीव जैन, महामंत्री ने कहा कि परंपरा की गलत व्याख्या हुई है, हम शांति से विरोध करेंगे। राकेश जैन, संरक्षक जैन समाज ने कहा कि धार्मिक प्रतीकों पर बोलने से पहले तथ्य जांच लेना चाहिए था मेनका गांधी अजय जैन, जैन मिलन राष्ट्रीय महामंत्री ने कहा कि संवैधानिक मार्ग पर एकजुट रहेंगे। जैन समाज चुप बैठने वालो में सेनहीं मेनका गांधी को माफी मांगनी ही पड़ेगी वर्ना कानून का रास्ता अपनाएंगे। चौधरी संदीप जैन, आवास विकास और जयदीप जैन ने कहा कि हमारी भावनाएं आहत हुई है हमारा सम्मान बहाल हो।पार्षद अनुज जैन और चौधरी अनुज जैन ने कहा कि जैन समाज पर की गई टिप्पणी से सम्पूर्ण जैन समाज आक्रोशित है।

सरिता जैन, महामंत्री महिला जैन समाज ने कहा कि पिच्छी अहिंसा का प्रतीक है, हिंसा से जोड़ना गलत है। जैन मिलन की मंत्री पायल जैन ने कहा कि जैन समाज की महिलाये मेनका गांधी को माफी मांगने के लिए मजबूर कर देंगी। जैन समाज ने दोहराया कि वह क्षमा और संयम में विश्वास रखता है, लेकिन पहले बयान वापसी और सार्वजनिक माफी जरूरी है। समाज ने राष्ट्रपति से अपील की है कि धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाले बयानों पर गंभीरता से विचार हो। इस अवसर पर मुख्य रूप से अनुज जैन , संदीप जैन , अजीत जैन, अवनीश जैन , मंटू जैन , राकेश जैन , संदीप जैन , महावीर प्रसाद जैन , राजीव जैन ,विपिन जैन प्रबंधक, अजय जैन उपाध्यक्ष ,अजय जैन सदस्य, संजय जैन चूड़ी वाले सदस्य , अतुल जैन अशोक जैन संजय जैन छोटा प्रवीण जैन विपिन जैन पैरामाउंट अध्यक्ष, अमरदीप जैन क्षेत्रीय मंत्रीजैन मिलन ,विशाल जैन , अनुज जैन गैस वाले अरुण जैन , प्रमोद जैन , पंकज जैन, मनोज जैन, अनुज जैन, सारिका जैन, आलोक जैन, अर्चित जैन, रेखा जैन, भरत विहार निवासी, निखिल जैन,राजा जैन, अमर जैन, सुशील जैन, अमित बॉबी, अरिहंत जैन , उमंग जैन, अनिल जैन , सचिन जैन, संदीप जैन, सुदीप जैन, विनय जैन पेपर वाले टी टी जैन विक्रांत जैन, दिवाकर जैन, राजीव जैन (स्टार पेपर मिल), मुकेश जैन आशीष जैन, शौर्य जैन, अभिषेक जैन, मनोज जैन, अंकुर जैन, कमल जैन, सरिता जैन (चीनी वाली), सीमा जैन, सारिका जैन,पायल जैन, अंजू जैन। सहित समाज की विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी और अन्य लोग उपस्थित रहे लोग उपस्थित रहे।

भ्रष्टाचार पर सख्त कानून की जरूरत, राष्ट्रीय बहस की उठी मांग

कमल पटनी

मध्य प्रदेशः भारत में भ्रष्टाचार को लंबे समय से एक आर्थिक अपराध माना जाता रहा है। लेकिन आज परिस्थितियाँ बदल चुकी हैं। भ्रष्टाचार अब केवल रिश्वत लेने या सरकारी धन के गबन तक सीमित नहीं है। यह लाखों नागरिकों के जीवन, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, न्याय और संविधान प्रदत्त अधिकारों पर सीधा आघात बन चुका है। यदि अस्पतालों में दवाइयाँ भ्रष्टाचार के कारण नहीं पहुँचतीं, घटिया निर्माण के कारण पुल और भवन गिरते हैं, भर्ती परीक्षाएँ बिक जाती हैं, सरकारी योजनाओं का धन बीच में ही गायब हो जाता है, न्यायिक और प्रशासनिक प्रक्रियाएँ वर्षों तक जानबूझकर लंबित रखी जाती हैं और जनता अपने ही अधिकारों के लिए दशकों तक संघर्ष करती है, तो क्या इसे केवल आर्थिक अपराध कहा जा सकता है।

भ्रष्टाचार के परिणाम किसी एक व्यक्ति तक सीमित नहीं

एक बलात्कार पीड़िता का जीवन प्रभावित करता है, जो निस्संदेह अत्यंत जघन्य अपराध है और इसलिए कानून ने कुछ परिस्थितियों में मृत्युदंड का प्रावधान किया है। लेकिन जब कोई बड़ा भ्रष्टाचार होता है, तब उसका प्रभाव हजारों या लाखों लोगों पर पड़ सकता है। अस्पतालों में ऑक्सीजन, दवाइयों या उपकरणों की कमी, जहरीली दवाओं की खरीद, निर्माण घोटाले, भर्ती घोटाले, राशन और पोषण योजनाओं में भ्रष्टाचार–इनका दुष्परिणाम कई बार लोगों की मृत्यु, कुपोषण, बेरोजगारी और आजीवन पीड़ा के रूप में सामने आता है। ऐसे में प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या बड़े पैमाने का भ्रष्टाचार एक असाधारण अपराध नहीं है। क्या कानून बदला नहीं जा सकता।

भारतीय संविधान संसद को कानून बनाने और समय के साथ उनमें संशोधन करने का अधिकार देता है। इतिहास गवाह है कि सामाजिक आवश्यकताओं के अनुसार अनेक कानूनों में परिवर्तन किए गए हैं। इसलिए यदि राष्ट्र यह महसूस करे कि वर्तमान दंड व्यवस्था बड़े भ्रष्टाचार को रोकने में पर्याप्त नहीं है, तो संसद कठोर दंड, समयबद्ध सुनवाई, अवैध संपत्ति की अनिवार्य जब्ती तथा अन्य कड़े प्रावधानों पर विचार कर सकती है। किसी भी ऐसे परिवर्तन को संविधान और न्यायिक समीक्षा के अनुरूप होना होगा। आज सबसे बड़ी समस्या क्या है। समस्या केवल दंड की कठोरता नहीं, बल्कि दंड की निश्चितता और समयबद्धता है। जाँच वर्षों तक चलती रहती है। मुकदमे दशकों तक लंबित रहते हैं। कई आरोपी सेवानिवृत्त हो जाते हैं। अनेक मामलों में गवाह और साक्ष्य कमजोर पड़ जाते हैं। जनता का न्याय व्यवस्था पर विश्वास प्रभावित होता है, जब अपराध का निर्णय ही 15:20 वर्ष बाद आए, तो दंड का भय कम हो जाता है।

आवश्यक सुधार

देश में गंभीर भ्रष्टाचार के विरुद्ध निम्नलिखित सुधारों पर व्यापक चर्चा होनी चाहिए। बड़े भ्रष्टाचार के मामलों की विशेष अदालतों द्वारा समयबद्ध सुनवाई। दोष सिद्ध होने पर अवैध संपत्ति की पूर्ण जब्ती। सार्वजनिक पद धारण करने पर स्थायी प्रतिबंध। भ्रष्टाचार से हुई आर्थिक क्षति की व्यक्तिगत वसूली। अनावश्यक विलंब करने वाले अधिकारियों और संस्थाओं की जवाबदेही। जाँच और अभियोजन एजेंसियों की स्वतंत्रता और पारदर्शिता।

राष्ट्रीय विमर्श की आवश्यकता यह प्रश्न केवल किसी एक व्यक्ति या एक मामले का नहीं है। यह भारत के भविष्य का प्रश्न है। यदि भ्रष्टाचार के कारण लाखों लोगों का जीवन, स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार प्रभावित होता है, तो यह विचार करना लोकतांत्रिक समाज का अधिकार है कि क्या वर्तमान दंड व्यवस्था पर्याप्त है, या उसे और प्रभावी तथा कठोर बनाने की आवश्यकता है। भ्रष्टाचार लोकतंत्र की जड़ों को खोखला करता है। यह जनता के विश्वास, संविधान की भावना और राष्ट्र के विकास पर प्रहार है। इसलिए समय आ गया है कि देश में इस विषय पर गंभीर, तथ्याधारित और संवैधानिक विमर्श हो–ताकि कानून ऐसा हो जो ईमानदार नागरिक की रक्षा करे, भ्रष्टाचार को प्रभावी ढंग से रोके और न्याय को समय पर सुनिश्चित करे।

मिलावटी दूध का कहर, घी और मिठाइयों की बिक्री के आरोप, कार्रवाई की मांग हुई तेज

सोजित्रा आशाबेन

गुजरातः राजकोट गुजरात के राजकोट शहर में मिलावटी खाद्य पदार्थों की कथित बिक्री को लेकर लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। शहर में बड़े पैमाने पर दूध, दही, घी, पनीर, मिठाइयों और अन्य खाद्य उत्पादों में मिलावट किए जाने के आरोप सामने आए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस संबंध में बार-बार शिकायतें किए जाने के बावजूद संबंधित अधिकारियों की ओर से प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है। आरोप है कि शहर में बिकने वाली कई मिठाइयों, दूध, दही और घी की गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं। वहीं विभिन्न प्रकार के फरसाण (नमकीन) तैयार करने में बड़ी मात्रा में पामोलीन तेल के उपयोग की भी शिकायतें सामने आई हैं। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इस पर रोक नहीं लगाई गई तो इसका सीधा असर आम नागरिकों के स्वास्थ्य पर पड़ सकता है।

इसके अलावा पनीर में भी बड़े पैमाने पर मिलावट होने की आशंका जताई जा रही है। स्थानीय नागरिकों का दावा है कि यदि राजकोट महानगरपालिका क्षेत्र में संचालित डेयरियों और खाद्य प्रतिष्ठानों की व्यापक जांच कराई जाए तो बड़ी मात्रा में मिलावटी और मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक खाद्य पदार्थ बरामद हो सकते हैं। नागरिकों ने राजकोट महानगरपालिका और स्वास्थ्य विभाग से मांग की है कि शहर में विशेष अभियान चलाकर दूध, दही, घी, मक्खन, पनीर, मिठाइयों और अन्य खाद्य पदार्थों के नमूनों की जांच कराई जाए। यदि जांच में मिलावट की पुष्टि होती है तो ऐसे खाद्य पदार्थों को तत्काल जब्त कर नष्ट किया जाए और संबंधित कारोबारियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। फिलहाल इस मामले में संबंधित अधिकारियों की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

हालांकि, स्थानीय लोगों का कहना है कि खाद्य पदार्थों में कथित मिलावट का मामला सीधे जनस्वास्थ्य से जुड़ा है, इसलिए प्रशासन को इस पर तत्काल और प्रभावी कार्रवाई करनी चाहिए।

पुलिस ने 131 गुम मोबाइल किए बरामद, मालिकों को लौटाई मुस्कान

अनिल

हरियाणाः मुजफ्फरनगर। मोबाइल चोरी हो जाना या फिर गुम हो जाना यह एक ऐसा मामला है, जो पीड़ित को बहुत मानसिक रूप से दुख देता है। इसके लिए पीड़ित थानों के चक्कर काटता है और पुलिस अकसर इन मामलों में टरकाने वाली कार्यवाही करती है या फिर महज औपचारिकता पूरी करके पीड़ित को चलता कर देती है और फिर उसके मोबाइल मिलने की संभावना बिल्कुल छीण हो जाती है लेकिन देखने में यह भी आया है कि जब जब एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने तत्परता तल्लीनता और पीड़ित को तसल्ली देने के उद्देश्य से जब-जब मोबाइल रिकवरी का अभियान चलाया है तो यकीनन पीड़ितों को राहत और उनके चेहरों पर मुस्कान लौटाई आई है।

वही एसएसपी संजय कुमार वर्मा की इच्छा शक्ति के कारण खोए हुए या गुम हुए मोबाइल को क्यों बरामद करना और उन पीड़ितों तक पहुंचना इसका रिजल्ट

बहुत ही सकारात्मक और प्रभावी हैं। यदि बात करें तो वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा की बात करें तो जहां भी रहे वहीं पर यह अभियान चलाकर अच्छी रिकवरी दी और पीड़ितों को खुश होने का मौका दिया व बहुत कुछ कर गुजरने की लालसा रखते है। उन्होंने इस अभियान को गति देकर और फिर अच्छे परिणाम सामने लाकर यह दिखाने की कोशिश की है कि मुश्किल से मुश्किल काम को भी आसान किया जा सकता है। एसएसपी संजय कुमार वर्मा व पुलिस अधीक्षक क्राइम इंदु सिद्धार्थ के निर्देशन पर सर्विलांस सैल द्वारा विगत 03 माह में जनपद मुजफ्फरनगर में खोए हुए 131 स्मार्ट मोबाइल फोन अनुमानित कीमत लगभग 14 लाख रुपए को विभिन्न स्थानों से सफलतापूर्वक बरामद करने में सफलता प्राप्त की है तो वही वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुजफ्फरनगर संजय कुमार वर्मा ने बरामद मोबाइलों को उनके स्वामियों के सुपुर्द किया है।

अपर पुलिस महानिदेशक मेरठ जोन, मेरठ एवं पुलिस उपमहानिरीक्षक सहारनपुर परिक्षेत्र, सहारनपुर के निर्देशन में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा के पर्यवेक्षण तथा पुलिस अधीक्षक अपराध इन्दु सिद्धार्थ, एवं प्रभारी सर्विलांस सैल विकास चौधरी के नेतृत्व में सर्विलांस सैल पुलिस टीम द्वारा की गयी कार्यवाही। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा के निर्देशन में जनपद में नागरिकों के गुमशुदा खोए हुए मोबाइल फोन की बरामदगी हेतु निरंतर विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक अपराध इन्दु सिद्धार्थ के निकट पर्यवेक्षण में सर्विलांस सैल टीम एवं जनपद के विभिन्न थानों द्वारा भारत सरकार द्वारा संचालित CEIR (Central Equipment Identity Register) पोर्टल एवं आधुनिक सर्विलांस तकनीक की सहायता से प्राप्त Traceability Details के आधार पर विगत 03 माह के दौरान जनपद मुजफ्फरनगर में खोए हुए मोबाइल फोनों को विभिन्न स्थानों से कुल 131 स्मार्ट मोबाइल फोन अनुमानित कीमत लगभग 14 लाख बरामद किया गया।

आज वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा द्वारा बरामद समस्त मोबाइल फोन उनके वास्तविक स्वामियों के सुपुर्द किये गये। अपने खोए हुए मोबाइल फोन पुनः प्राप्त कर मोबाइल स्वामियों द्वारा प्रसन्नता व्यक्त की गई तथा मुजफ्फरनगर पुलिस के इस जनहितकारी प्रयास के लिए आभार प्रकट किया गया। इस अवसर पर पुलिस एवं आमजन के मध्य विश्वास और अधिक सुदृढ़ हुआ। इस सराहनीय कार्यवाही से आम जनमानस में अत्यधिक प्रसन्नता व्याप्त है तथा मुजफ्फरनगर पुलिस द्वारा किये गये इस जनसेवात्मक प्रयास की चारों ओर प्रशंसा की जा रही है।बरामदगी करने वाली टीम में प्रभारी सर्विलांस सैल विकास चौधरी,है0का0 कालूराम सर्विलांस सैल, है0का0 राहुल सिरोही सर्विलांस सैल, है0का0 नितिन कुमार सर्विलांस सैल,है0का0 अंकित शर्मा सर्विलांस सैल आदि शामिल रहें।

दिव्यांग परिवार को बैकयार्ड पोल्ट्री से मिली आत्मनिर्भरता की राह

अरुण कुमार रवि

झारखण्डः पलामू झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) द्वारा दिव्यांग एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में पलामू जिले के चैनपुर प्रखंड के एक दिव्यांग परिवार को स्थायी आजीविका से जोड़ने के लिए बैकयार्ड पोल्ट्री इकाई उपलब्ध कराई गई। इस पहल से परिवार को रोजगार का नया साधन मिलने के साथ आर्थिक रूप से सशक्त बनने की उम्मीद जगी है। उपायुक्त पलामू के निर्देश पर संचालित इस अभियान के तहत जेएसएलपीएस की जिला परियोजना प्रबंधक (डीपीएम) अनीता केरकेट्टा के नेतृत्व में लाभुक परिवार को मुर्गी शेड उपलब्ध कराया गया तथा देशी

नस्ल की मुर्गियां दी गईं। इसके साथ ही टीम ने मुर्गियों के पालन-पोषण, टीकाकरण, बीमारी से बचाव, देखभाल और अंडा उत्पादन से संबंधित विस्तृत प्रशिक्षण भी दिया, ताकि परिवार इस आजीविका गतिविधि को सफलतापूर्वक संचालित कर नियमित आय अर्जित कर सके।

विशेषज्ञों के अनुसार बैकयार्ड पोल्ट्री ग्रामीण क्षेत्रों में कम लागत और सीमित संसाधनों के साथ शुरू किया जाने वाला प्रभावी स्वरोजगार है।

इससे परिवार को अंडा उत्पादन के माध्यम से नियमित आय प्राप्त होगी। साथ ही अतिरिक्त अंडों और मुर्गियों की बिक्री से उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी तथा परिवार की पोषण संबंधी आवश्यकताओं की भी पूर्ति हो सकेगी। जेएसएलपीएस ने केवल पोल्ट्री इकाई उपलब्ध कराने तक ही अपनी पहल सीमित नहीं रखी। परिवार की तत्काल जरूरतों को ध्यान में रखते हुए उन्हें किराना सामग्री भी उपलब्ध कराई गई, जिससे वे शुरूआती आर्थिक कठिनाइयों से उबरकर नए रोजगार की शुरूआत आसानी से कर सकें। इस अवसर पर डीपीएम अनीता केरकेट्टा ने कहा कि जेएसएलपीएस का उद्देश्य केवल सरकारी सहायता प्रदान करना नहीं, बल्कि दिव्यांग, गरीब और वंचित परिवारों को सम्मानजनक एवं स्थायी आजीविका से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी ऐसे परिवारों की पहचान कर उन्हें विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं से जोड़ा जाएगा, ताकि वे आत्मविश्वास के साथ अपना जीवनयापन कर सकें।

उन्होंने कहा कि यदि लाभार्थियों को समय पर प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और सहयोग मिले तो वे स्वयं रोजगार सृजित कर अपनी आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार ला सकते हैं। इस पहल को सफल बनाने में बीपीएम वैभव कांत आदर्श, बीपीओ राजीव भारद्वाज, जिला प्रबंधक (सामाजिक विकास) प्रवीण सिंह, जिला प्रबंधक (जीविकोपार्जन) अवकेश खलको, आशुतोष तिवारी एवं पिंटू कुमार गुप्ता की महत्वपूर्ण भूमिका रही। टीम ने लाभुक परिवार को पोल्ट्री प्रबंधन से जुड़ी सभी आवश्यक जानकारियां भी प्रदान कीं। स्थानीय ग्रामीणों ने जेएसएलपीएस की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यदि इसी प्रकार जरूरतमंद परिवारों को सरकारी योजनाओं और स्वरोजगार से जोड़ा जाता रहा, तो ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी कम होगी और आत्मनिर्भरता को नई दिशा मिलेगी।

सर्वधर्म समाज पार्टी ने विनील चौरसिया को नागपुर शहर अध्यक्ष नियुक्त किया

अनिल

हरियाणाः सर्वधर्म समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अब्दुल वहीद पटेल की अध्यक्षता में नागपुर स्थित पार्टी कार्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस एवं नियुक्ति समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता एवं गरीबों के हितों के लिए सक्रिय रूप से कार्य करने वाले विनील चौरसिया को सर्वधर्म समाज पार्टी का नागपुर शहर अध्यक्ष नियुक्त किया गया। नियुक्ति के दौरान उन्हें आधिकारिक नियुक्ति पत्र सौंपकर सम्मानित भी किया गया। पार्टी नेतृत्व ने बताया कि विनील चौरसिया लंबे समय से सामाजिक सेवा के क्षेत्र में सक्रिय हैं और जरूरतमंदों, गरीबों एवं असहाय लोगों की सहायता के लिए निरंतर कार्य करते रहे हैं। उनकी सामाजिक प्रतिबद्धता, जनसेवा और संगठन के प्रति समर्पण को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। पार्टी को विश्वास है कि उनके नेतृत्व में नागपुर शहर में संगठन और अधिक मजबूत होगा तथा आम जनता के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाया जाएगा।

यह नियुक्ति पार्टी के वरिष्ठ राष्ट्रीय सलाहकार डॉ. अब्दुल बारी सर की अनुशंसा तथा राष्ट्रीय सलाहकार भारत जी पानतावने के सहयोग से की गई। कार्यक्रम में पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पांडुरंग शेंडे, महाराष्ट्र प्रदेश मजदूर महासंघ के अध्यक्ष चंद्रभान चकोले, उत्तर नागपुर अध्यक्ष सोनकुसरे (देवा भाऊ), मार्शल देवेंद्र वाघमारे, शहर महासचिव चेतन तिवारी सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सभी नेताओं ने नव-नियुक्त शहर अध्यक्ष को शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि वे पार्टी की नीतियों और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के साथ-साथ संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का कार्य करेंगे। इस अवसर पर पार्टी के विस्तार, आगामी कार्यक्रमों और जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर भी चर्चा की गई।

प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए डॉ. अब्दुल वहीद पटेल ने कहा कि सर्वधर्म समाज पार्टी समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलने और सामाजिक समरसता को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि संगठन में मेहनती और समाजसेवा के प्रति समर्पित कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी देना पार्टी की प्राथमिकता है। वहीं, विनील चौरसिया ने पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे उन्हें सौंपी गई जिम्मेदारी का पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ निर्वहन करेंगे तथा नागपुर शहर में संगठन को मजबूत बनाने के साथ-साथ जनता की समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे।

संविधान की हकीकत पर उठे सवाल, जवाबदेही की मांग तेज

कमल पटनी

मध्य प्रदेशः हम भारत के लोग इन शब्दों से प्रारंभ होने वाला भारतीय संविधान देश के प्रत्येक नागरिक को न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व का आश्वासन देता है। लेकिन स्वतंत्रता के 76 वर्ष बाद यदि आम नागरिक यह पूछने लगे कि "संविधान कहाँ है?, तो यह केवल एक प्रश्न नहीं, बल्कि लोकतंत्र के लिए गंभीर आत्ममंथन का विषय है। संविधान केवल संसद भवन की अलमारियों में रखी एक पुस्तक नहीं है। संविधान तब जीवित माना जाता है जब उसका पालन शासन, प्रशासन, न्यायपालिका और प्रत्येक सार्वजनिक संस्था द्वारा समान रूप से किया जाए। यदि कानून सब पर समान रूप से लागू न हो, न्याय वर्षों तक लंबित रहे, भ्रष्टाचार के मामलों में कार्रवाई न हो, सूचना का अधिकार कागजों तक सीमित रह जाए और न्यायालयों के आदेशों का पालन भी समय पर न हो, तो नागरिकों का विश्वास डगमगाना स्वाभाविक है।

आज देश का आम नागरिक अनेक विभागों के चक्कर काटता है। एक साधारण प्रमाणपत्र, नामांतरण, भवन अनुमति, पेंशन, राजस्व या पुलिस से जुड़े मामलों में भी लोगों को वर्षों तक संघर्ष करना पड़ता है। कई बार न्यायालय का दरवाजा खटखटाने के बाद भी अंतिम राहत मिलने में लंबा समय लग जाता है। ऐसे अनुभव नागरिकों को यह सोचने पर विवश करते हैं कि क्या संविधान में दिए गए अधिकार व्यवहार में उतने ही प्रभावी हैं जितने कागज पर दिखाई देते हैं। संविधान में समय-समय पर अनेक संशोधन हुए हैं। संशोधन लोकतांत्रिक व्यवस्था का हिस्सा हैं, लेकिन किसी भी लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति संशोधनों की संख्या से नहीं, बल्कि संविधान की मूल भावना के पालन से मापी जाती है। यदि शासन व्यवस्था पारदर्शी, जवाबदेह और कानून के शासन के सिद्धांत पर चलती है, तभी संविधान की गरिमा बनी रहती है।

लोकतंत्र की सबसे बड़ी कसौटी यह नहीं कि संविधान की कितनी प्रतियाँ छपीं, बल्कि यह है कि क्या एक गरीब, किसान, मजदूर, कर्मचारी, व्यापारी, महिला और बुजुर्ग नागरिक को समय पर न्याय और सम्मान मिल रहा है?

पहली बारिश में ही सीसी सड़क की खुली पोल, जलभराव से हुए लोगों परेशान

प्रमोद कुमार बंसल

राजस्थानः पावटा-प्रागपुरा मुख्यमंत्री बजट घोषणा के तहत प्रागपुरा मुख्य बाजार में निर्मित सीसी सड़क का लोकार्पण हुए अभी कुछ ही दिन हुए हैं, लेकिन पहली ही प्री-मानसून बारिश ने निर्माण कार्य और जल निकासी व्यवस्था की पोल खोल दी है। बारिश के बाद पूरे बाजार में जगह-जगह जलभराव हो गया, जिससे आमजन और व्यापारियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों के अनुसार सड़क निर्माण के दौरान 24 फीट चौड़ाई का प्रस्ताव तय हुआ था, जिसमें 18 फीट सीसी सड़क और दोनों ओर 3-3 फीट चौड़ी पक्की नालियों का निर्माण शामिल था। हालांकि आरोप है कि केवल सड़क का निर्माण कर दिया गया, जबकि नालियों का कार्य अधूरा छोड़ दिया गया, जिससे जल निकासी व्यवस्था पूरी तरह ठप हो गई है। बारिश के बाद दुकानों और

इससे लोगों का आवागमन बाधित हो गया और बाजार में दिनभर परेशानी बनी रही।

स्थानीय लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि सड़क निर्माण के दौरान कई स्थानों पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई में असमानता बरती गई, जिससे सड़क कई जगहों पर टेढ़ी-मेढ़ी बन गई। इसके अलावा सड़क के बीचों-बीच कई स्थानों पर बिजली के पोल और पेड़ मौजूद हैं, जिन्हें हटाए बिना ही निर्माण कार्य पूरा कर दिया गया, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बना हुआ है। मुख्य बाजार स्थित सीताराम मंदिर के सामने करीब 20 मीटर सड़क आज भी अधूरी पड़ी है, जहां बारिश का पानी भरने से दलदल जैसी स्थिति बन गई है। श्रद्धालुओं और दुकानदारों को इसी मार्ग से गुजरना पड़ता है, जिससे उन्हें घरों से निकलने वाला पानी सीधे सड़क पर भर गया, जिससे कीचड़ और जलभराव की स्थिति बन गई। लगातार परेशानी हो रही है। नगरपालिका प्रशासन पर भी लापरवाही के आरोप लग रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुरानी नालियों की सफाई समय पर नहीं की गई और नई नालियों का निर्माण पूरा होने से पहले ही सड़क का लोकार्पण कर दिया गया, जिससे जल निकासी व्यवस्था पूरी तरह फेल हो गई है। क्षेत्रवासियों ने मांग की है कि पूरे निर्माण कार्य की निष्पक्ष तकनीकी जांच कराई जाए, अधूरी नालियों का कार्य शीघ्र पूरा किया जाए, सड़क के बीच मौजूद अवरोध हटाए जाएं तथा निर्माण में हुई अनियमितताओं की जांच कर जिम्मेदारों पर कार्रवाई की जाए। स्थानीय लोगों का कहना है कि विकास कार्य तभी सार्थक माना जाएगा जब वह धरातल पर आमजन को वास्तविक राहत प्रदान करे।

महापौर से छड़ी भगतों की मांग, निगम बोर्ड बैठक में उठेगा गुघाल मेला का मुद्दा

घनश्याम दास

उत्तर प्रदेशः सहारनपुर में श्री शिव गोरक्ष जाहरवीर सेवा समिति के अध्यक्ष विनोद प्रकाश कश्यप स्वामी सरदार छड़ी व नेजा तथा संस्थापक पंकज उपाध्याय के नेतृत्व में श्री गोगा महाड़ी की छड़ियों के भगतों ने महापौर डॉक्टर अजय कुमार को ज्ञापन देकर ग्राम मानकमऊ का नाम बदलकर ग्राम श्री गोगा महाड़ी करने तथा सभी 26 छड़ियों के मान्यता प्राप्त भगतों के नाम उनकी पहचान एवं परंपरा के उचित सम्मान हेतु अधिकारिक रुप से एक पोर्टल पर दर्ज करने की मांग की। इसके अतिरिक्त महाड़ी स्थल के दोनों ओर मुख्य मार्ग पर दो गेट बनवाने की मांग भी छड़ियों के भगतों ने की।

छड़ियों के भगतों द्वारा महापौर को दिये गए ज्ञापन में कहा गया है, कि महाड़ी आस्था का केंद्र है अत इसकी शुचिता, पवित्रता एवं स्वच्छता बनाये रखने के लिए व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। सरोवर स्वच्छ कुण्ड का मुख्य प्रवेश द्वार श्रद्धालुओं के लिए खोला जाए तथा सरोवर पर प्रत्येक सप्ताह रविवार के दिन नियमित रुप से आरती आयोजित की जाए, जिससे धार्मिक परंपराओं का निर्वहन हो सके। समिति ने श्री गोगा महाड़ी परिसर में स्वच्छ व सुंदर सरोवर के निर्माण के लिए नगर निगम और प्रदेश सरकार की सराहना करते हुए इसी प्रकार स्वच्छता व रखरखाव को निरंतर बनाये रखने की भी मांग की है।

महापौर ने समिति की मांग से सहमति जताते हुए कहा कि सरोवर की शुचिता, पवित्रता और स्वच्छता का पूरी तरह ध्यान रखा जायेगा। उन्होंने गेट बनवाने तथा भगतों के नाम पोर्टल पर दर्ज कराने की मांग को भी गंभीरता से लिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने धर्म को पर्यटन स्थल से जोड़ने पर जोर दिया है। चूंकि जहां एक ओर धर्म और आस्था का विषय है वहीं पर्यटन को भी बढ़ावा मिले, यह भी कोशिश है ताकि इससे बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार मिल सके।

चौकी के नए प्रभारी का सख्त संदेश, अपराधियों पर होगी कार्रवाई

घनश्याम दास

उत्तर प्रदेशः जनपद सहारनपुर में नवनियुक्त चौकी प्रभारी तपन जंयत ने बुधवार को अंबेहटा चौकी का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। कार्यभार संभालते ही उन्होंने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखना उनकी पहली प्राथमिकता होगी और अपराधियों के खिलाफ सख्त अभियान चलाया जाएगा। नवनियुक्त चौकी प्रभारी ने कहा कि चौकी पर आने वाले प्रत्येक फरियादी की शिकायत को गंभीरता और निष्पक्षता से सुना जाएगा तथा उसकी समस्या का त्वरित समाधान कराया जाएगा। आमजन के साथ सम्मानजनक व्यवहार करते हुए उन्हें न्याय दिलाने का हरसंभव प्रयास किया जाएगा। उन्होंने दो टूक कहा कि क्षेत्र में स्मैक सहित अन्य मादक पदार्थों की तस्करी, कच्ची शराब का अवैध कारोबार, जुआ-सट्टा तथा किसी भी प्रकार की गैर कानूनी गतिविधियों में लिप्त लोगों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। ऐसे तत्वों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

अंबेहटा पीरजादगान पुलिस चौकी प्रभारी श्री तपन जंयत ने क्षेत्रवासियों से पुलिस का सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि यदि कहीं भी कोई अवैध गतिविधि संचालित होती दिखाई दे तो उसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगी।

उन्होंने दोहराया की क्षेत्र में आमजन को पुलिस के प्रति आश्वस्त करना एंव शांति बहाल करना पुलिस प्रशासन की प्राथमिकता में शामिल है।

सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता के आयोजन पर उठे सवाल, पारदर्शिता की जांच की हुई मांग

अरुण कुमार रवि

झारखण्डः पलामू जिले के तरहसी प्रखंड में आयोजित 65वीं सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता (2026-27) एवं द्वितीय लिटिल चैंप्स फुटबॉल टूर्नामेंट को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। स्थानीय खेल प्रेमियों, सामाजिक कार्यकताओं और कुछ जनप्रतिनिधियों ने प्रतियोगिता के आयोजन, खिलाड़ियों के चयन, समय निर्धारण तथा सरकारी राशि के उपयोग को लेकर गंभीर सवाल उठाते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष एवं उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। जानकारी के अनुसार, प्रखंड संसाधन केंद्र (बीआरसी) तरहसी द्वारा जारी पत्रांक-128, दिनांक 3 जुलाई 2026 के आधार पर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आरोप है कि आयोजन प्रक्रिया में पर्याप्त पारदर्शिता नहीं बरती गई और विद्यालयों व खिलाड़ियों को तैयारी के लिए पर्याप्त समय भी नहीं दिया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि

जल्दबाजी में प्रतियोगिता आयोजित किए जाने से ग्रामीण क्षेत्रों के कई प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर नहीं मिल पाया।

प्रतियोगिता की तिथियों को लेकर भी सवाल खड़े किए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, प्रखंड स्तरीय प्रतियोगिता 7 जुलाई को आयोजित की गई, जबकि जिला स्तरीय प्रतियोगिता 8 जुलाई से निर्धारित है। ऐसे में एक ही दिन के भीतर खिलाड़ियों का चयन, टीम गठन और आवश्यक तैयारियां पूरी करने को लेकर चयन प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि इतने बड़े सरकारी खेल आयोजन की सूचना कई जनप्रतिनिधियों और संबंधित अधिकारियों तक समय पर नहीं पहुंचाई गई। उनका कहना है कि सामान्यतः ऐसे आयोजनों में प्रशासनिक अधिकारियों, शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रहती है, जिससे पारदर्शिता बनी रहती है। इस बार उनकी अनुपस्थिति को लेकर भी विभिन्न स्तरों पर चर्चाएं हो रही हैं।

विवाद का एक अन्य कारण प्रतियोगिता का समय भी बताया जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस दिन प्रतियोगिता आयोजित हुई, उसी दिन कई विद्यालयों में परीक्षाएं भी चल रही थीं। इससे प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थियों की पढ़ाई और परीक्षा प्रभावित होने की आशंका जताई गई है। अभिभावकों ने मांग की है कि यदि किसी छात्र की परीक्षा छूटी है तो उसके लिए वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आयोजन स्थल पर मुख्य रूप से प्रतिनियुक्त शिक्षक ही व्यवस्थाएं संभालते नजर आए, जबकि कई वरिष्ठ अधिकारी कार्यक्रम में मौजूद नहीं थे। इसे लेकर भी स्थानीय स्तर पर सवाल उठाए जा रहे हैं। स्थानीय खेल प्रेमियों और सामाजिक संगठनों ने मांग की है कि प्रतियोगिता के आयोजन, खिलाड़ियों के चयन और सरकारी धन के उपयोग की निष्पक्ष जांच कराई जाए। उनका कहना है कि यदि किसी स्तर पर अनियमितता सामने आती है तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि भविष्य में खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन पूरी पारदर्शिता और निर्धारित नियमों के तहत हो सके।

एक नजर

खाद की मांग को लेकर किसानों ने खोला मोर्चा, आंदोलन की दी चेतावनी

इंद्रेश कुमार पांडे/उत्तर प्रदेशः चतरा में सोनभद्र को बुधवार को चतरा ब्लाक के कोरियाव कोऑपरेटिव केंद्र पर किसानों को पेड़ हैं तो प्राण हैं अभियान के तहत फलदार पेड़ बाटे गये उसके बाद किसानों की समस्याओं को लेकर किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा ने बुधवार को जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान किसानों ने समय पर डीएपी और यूरिया उपलब्ध कराने की मांग उठाई। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा के संयोजक संदीप मिश्रा ने कहा कि किसानों का अनादर किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने जिला कृषि अधिकारी, जिलाधिकारी एवं संबंधित अधिकारियों से मांग की कि प्रत्येक किसान को प्रति बीघा एक बोरी डीएपी और एक बोरी यूरिया उपलब्ध कराया जाए, ताकि खेती का कार्य प्रभावित न हो। उन्होंने कहा कि यदि जल्द मांगें पूरी नहीं हुईं तो किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा बड़ा आंदोलन करेगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी। आज के कार्यक्रम में मोर्चा संयोजक के उपस्थित सभी किसानो को आम का फलदार पेड़ दिया व इन पेड़ो की परवरिश अपने परिवारि जनो की तरह करने का संकल्प दिलाया साथा मोर्चा संयोजक ने का कि मोर्चा का लक्ष्य है अपने जनपद के सभी परिवारि जनो के घर तक जब तक फलदार वृक्ष नहीं लग जाता तब तक यह अभियान अनवरत चलता तहेगा क्योंकि पेड़ से ही हमें प्राणवायु मिलती है जिससे हम सभी का जीवन चला करता है। आज के कार्यक्रम में आकाश चौहान सत्रुधन बिन्द दिनेश चेरो विजय चौहान विक्की पटेल राजू मौर्य डब्बू पाण्डेय दिनेश मौर्य सुग्गन सिंह व सैकड़ों किसान उपस्थित रहे।

अखिलेश यादव ने दिवंगत बीएलओ के परिवार को 2 लाख की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई

घनश्याम दास

उत्तर प्रदेशः सहारनपुर विशेष पुनरीक्षण (SIR) अभियान के दौरान ड्यूटी निभाते समय तनाव के चलते हृदय गति रुकने से दिवंगत हुए बीएलओ सरदार दुष्यंत सिंह के परिवार को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की ओर से 2 लाख की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। बताया गया कि घटना के बाद वरिष्ठ समाजवादी नेता एवं नगर निगम पार्षद अभिषेक 'टिंकू' अरोड़ा ने दिवंगत बीएलओ के परिवार से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की थी। इस दौरान उन्होंने परिवार की आर्थिक स्थिति से अखिलेश यादव को अवगत कराया और सहायता की मांग रखी। इसके बाद समाजवादी पार्टी की ओर से पीड़ित परिवार के लिए

2 लाख की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई।

सहायता राशि का चेक कैराना लोकसभा क्षेत्र की सांसद चौधरी इकरा हसन, सहारनपुर देहात के विधायक आशु मलिक, पूर्व सांसद हाजी फजलुर्रहमान तथा पार्षद अभिषेक टिंकू अरोड़ा ने संयुक्त रूप से दिवंगत के आवास पर पहुंचकर परिवार को सौंपा। जानकारी के अनुसार, दिवंगत सरदार दुष्यंत सिंह अपने पीछे वृद्ध माता और दो छोटे बच्चों को छोड़ गए हैं। परिवार की परिस्थितियों के कारण मृतक के स्थान पर अनुकंपा नियुक्ति भी नहीं हो सकी, जिससे आर्थिक संकट और गहरा गया। ऐसे में पार्टी की ओर से दी गई आर्थिक सहायता को परिवार के लिए राहत के रूप में देखा जा रहा है। इस अवसर पर सांसद चौधरी इकरा हसन ने कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव हमेशा जरूरतमंद परिवारों के साथ खड़े रहते हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में ड्यूटी के दौरान तनाव के कारण जान गंवाने वाले बीएलओ कर्मचारियों के परिवारों की सहायता के लिए भी पार्टी लगातार आगे आई है।

विधायक आशु मलिक और पूर्व सांसद हाजी फजलुर्रहमान ने भी पीड़ित परिवार को हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। वहीं पार्षद अभिषेक टिंकू अरोड़ा ने कहा कि अखिलेश यादव लगातार समाज के सभी वर्गों की सहायता करने का कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय प्रभारी फैसल सलमानी, प्रदेश उपाध्यक्ष इंजीनियर विजेश कुमार, महानगर अध्यक्ष हाजी नवाब अंसारी, साजिद चौधरी, संदीप सैनी, जसबीर वाल्मीकि सहित पार्टी के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ट्रैफिक पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 300 मॉडिफाइड साइलेंसर और 50 प्रेशर हॉर्न रोड रोलर से हुए नष्ट

प्रमोद कुमार बंसल

राजस्थानः अलवर शहर में ध्वनि प्रदूषण पर रोक लगाने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 300 मॉडिफाइड साइलेंसर और 50 प्रेशर हॉर्न को जब्त कर रोड रोलर से नष्ट कर दिया। यह कार्रवाई भगत सिंह चौराहे के पास स्थित ट्रैफिक पुलिस बूथ के सामने की गई। पुलिस ने सभी जब्त साइलेंसरों और हॉर्न को सड़क पर रखकर रोड रोलर चलाया, जिससे वे पूरी तरह पिचककर नष्ट हो गए। पुलिस के अनुसार, ये मॉडिफाइड साइलेंसर और प्रेशर हॉर्न वाहनों में तेज आवाज निकालने के लिए उपयोग किए जा रहे थे, जिससे ध्वनि प्रदूषण बढ़ रहा था और आमजन को परेशानी हो रही थी। ट्रैफिक पुलिस ने कहा कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने और लोगों को असुविधा पहुंचाने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त अभियान जारी रहेगा। कार्रवाई के दौरान मौके पर बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हुए और पूरी प्रक्रिया को देखा।

13 साल की बच्ची से गैंगरेप मामले में बड़ी कार्रवाई, आरोपियों के होटलों पर चला बुलडोजर

प्रकाश गडरी/राजस्थानः श्रीगंगानगर में 13 साल की बच्ची से गैंगरेप के मामले में प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। जिन होटलों में बच्ची के साथ कथित तौर पर यौन उत्पीड़न हुआ था, उन पर देर रात बुलडोजर चलाया गया।

मामले का विवरणः

1. तारीखः 18 जून का मामला बताया जा रहा है
2. आरोपः एक रिक्शा चालक के घर से गायब हुई 13 साल की बच्ची को होटल में बेचने का आरोप
3. आरोपियों की संख्याः पुलिस के अनुसार 32 लोगों पर रेप का आरोप है
4. गिरफ्तारीः अब तक 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है

पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच तेज कर दी है। प्रशासन ने साफ किया है कि आरोपियों और अपराध में शामिल संपत्तियों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। मामले की जांच अभी जारी है।

शिक्षक संघ प्रगतिशील के कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष बने जसवंत सिंह नरुका

सहीहुरहमान

राजस्थानः राजस्थान शिक्षक संघ प्रगतिशील का प्रदेश महासमिति अधिवेशन मानसरोवर आबू रोड सिरोही में संपन्न हुआ। अधिवेशन में आबू पिण्डवाड़ा के पूर्व विधायक लालाराम गरासिया ,पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं ऊन एवं भेड़ बोर्ड पूर्व चेयरमैन कैसर लाल चौधरी के आतिथ्य में सरस्वती वंदना एवं संविधान की शपथ के साथ कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। पूर्व प्रदेशाध्यक्ष केसर लाल चौधरी ने कहा कि सरकार वर्तमान में शिक्षा की बदहाल स्थिति को नियंत्रण करने में विफल हो रही हैं सरकार की कथनी एंव करनी में बड़ा अंतर है। जिलाध्यक्ष धनराज सिंह राजावत व जिला मंत्री राजाराम जाट ने बताया कि प्रदेश कार्यकारिणी का निर्विरोध निर्वाचन हुआ। कार्यकारिणी में बनाराम चौधरी लगातार आठवीं बार अध्यक्ष एवं धर्मेंद्र गहलोत मुख्य महामंत्री चुने गए। टोंक से जसवंत सिंह नरुका को कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष चुने गए। जसवंत सिंह नरूका को कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष चुने जाने पर टोंक के शिक्षकों में खुशी की लहर दौड़ गई एवं सभी शिक्षक साथियों ने उन्हें बधाई दी ।जसवंत सिंह नरुका ने कहा है कि शिक्षकों को गैर शैक्षणिक कार्यों से मुक्त रखे बिना शिक्षा की गुणवत्ता में कोई नवाचार संभव नहीं है ।संगठन शिक्षकों की सेवारत समस्याओं के प्रति सजग रहकर काम करेगा।

व्यापारियों ने उपश्रमायुक्त से मिलकर उठाए अहम मुद्दे, श्रम विभाग के बीच समन्वय पर दिए जोर

घनश्याम दास

उत्तर प्रदेशः सहारनपुर के महानगर सहारनपुर उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल पंजीकृत के अध्यक्ष विवेक मनोचा व वरिष्ठ महामंत्री सरदार सुरेन्द्र मोहन सिंह चावला के नेतृत्व में व्यापारियों का एक प्रतिनिधिमंडल उप श्रमआयुक्त जनपद सहारनपुर सुविज्ञ सिंह से उनके लेबर कॉलोनी स्थित कार्यालय में मिला तथा नये लेबर एक्ट एवं अन्य व्यापारिक मुद्दों पर विचार विमर्श किया। व्यापारी प्रतिनिधिमंडल ने उप श्रमायुक्त सुविज्ञ सिंह से सरकार द्वारा दी जाने वाली व्यापारी पेंशन योजना सहित विभिन्न व्यापारिक मुद्दों पर जानकारी ली। उप श्रमायुक्त सुविज्ञ

सिंह ने लेबर एक्ट के नये जिओ के सम्बन्ध में व्यापारियों को विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि यदि किसी प्रतिष्ठान पर 20 व्यक्ति से कम लेबर होगी तो उसको लेबर रजिस्ट्रेशन कराने की कोई आवश्यकता नहीं है।

साथ ही वह दुकानदार अपने प्रतिष्ठान को सप्ताह के सातों दिन अपने प्रतिष्ठान को खोल सकता है। उप श्रमायुक्त ने व्यापारियों से अपील की कि वह अपने प्रतिष्ठानों/दुकानों पर चाइल्ड लेबर न रखें। यह एक गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है। साथ ही अन्य लोगों को भी व्यापारी चाइल्ड लेबर एक्ट के बारे में जानकारी देकर ऐसा कार्य करने से रोके, जिससे चाइल्ड लेबर को रोका जा सके। साथ ही उन्होंने व्यापारियों को आश्वस्त किया कि व्यापारी व श्रम विभाग एक दूसरे के पूरक हैं। हमें आपस में सही तालमेल मिलाकर चलना चाहिए ताकि किसी भी समस्या का निराकरण समय से हो सके। उन्होंने कहा कि व्यापारियों की श्रम कानून व लेबर, रजिस्ट्रेशन आदि समस्याओं के निराकरण वह स्वयं व उनका विभाग हर समय उनके साथ है, व्यापारियो को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं आने दी जायेगी। उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी व्यापारी को कोई परेशानी आती है तो वह सीधा उनसे सम्पर्क कर सकता है।

बारिश में खुला मेनहोल बना खतरा, बाइक सवार दंपति हुए हादसे का शिकार

सांवर मल गादरी/गुजरातः जूनागढ़ मानसून की पहली बारिश ने जहां लोगों को गर्मी से राहत दी, वहीं शहर में प्रशासनिक लापरवाही भी उजागर कर दी। जूनागढ़ के आजाद चौक इलाके में सड़क पर जलभराव के बीच खुला मेनहोल एक बड़ा हादसे का कारण बन गया। पानी में डूबा मेनहोल दिखाई नहीं देने से बाइक सवार दंपति उसमें जा गिरे।

पूरी घटना पास लगे उऊळश कैमरे में कैद हो गई। जानकारी के अनुसार, पहली बारिश के बाद इलाके की सड़कों पर पानी भर गया था। इसी दौरान एक बाइक पर सवार पति-पत्नी आजाद चौक से गुजर रहे थे। सड़क पर पानी जमा होने के कारण उन्हें खुला मेनहोल दिखाई नहीं दिया और अचानक बाइक सहित दोनों उसमें गिर पड़े। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत दौड़कर दोनों को बाहर निकाला। स्थानीय लोगों ने प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि हर वर्ष बारिश से पहले गटर और नालों की जांच तथा सुरक्षा इंतजाम किए जाने चाहिए, लेकिन इस बार भी आवश्यक व्यवस्थाएं नहीं की गईं।

सम्पादकीय

उत्तरप्रदेश की राह पर बंगाल

प.बंगाल में भाजपा शासन के आते ही राज्य में चारित्रिक बदलाव दिखाई देना शुरू हो चुका है। भाजपा शासन की खास पहचान बन चुके बुलडोजर और पुलिस मुठभेड़ दोनों का इस्तेमाल प.बंगाल में शुरू हो चुका है। सुवेन्दु अधिकारी के सत्ता संभालते ही तृणमूल कांग्रेस के नेताओं और कार्यकताओं पर कानूनी कार्रवाई शुरू हो गई, कई मौकों पर जनता ने कानून हाथ में लिया और टीएमसी नेताओं पर अंडे फेंके। भाजपा ने इसे लोगों का गुस्सा बताकर न्यायोचित ठहराने की कोशिश की। कई बाजारों में रेहड़ी-पटरी वालों को जबरन हटाया गया और कुछ जगह बुलडोजर से व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को गिराया गया। और अब बारुईपुर मामले में एक अहम आरोपी की मुठभेड़ में मौत हो गई, जिससे प.बंगाल को भाजपाई रंग में ढलने में जो कसर बाकी थी, वह भी पूरी हो गई।

गौरतलब है कि बीते दिनों कोलकाता के दक्षिणी उपनगर स्थित बारुईपुर थाना क्षेत्र में एक नाबालिग लड़की की बलात्कार के बाद नृशंसता से हत्या कर दी गई। ऐसी एक भी घटना किसी भी सभ्य समाज के लिए बड़ा कलंक होनी चाहिए। जो समाज अपने बच्चों की, महिलाओं की हिफाजत न कर सके, उसे शर्मिंदा होना चाहिए। मगर बड़े अफसोस की बात है कि बलात्कार जैसा गंभीर अपराध अब राजनीति करने का जरिया बन चुका है। जब प.बंगाल में ममता बनर्जी सरकार के वक्त आर जी कर मेडिकल कॉलेज में बलात्कार और हत्या का मामला आया था, तब भाजपा ने बिना समय गंवाएं टीएमसी सरकार को घेरा, राज्य में धरना-प्रदर्शन सब किया। हालांकि तत्कालीन मुख्यमंत्री ने भी कार्रवाई की, आरोपियों को पकड़वाया, फिर भी उन पर ऊंगली उठाई गई कि वे बहन-बेटियों की सुरक्षा नहीं कर सकतीं। इस चुनाव में भी भाजपा ने इस मुद्दे को भुनाना चाहा और इसके लिए आर जी कर मेडिकल कॉलेज की दिवंगत पीड़िता की मां को टिकट दी, वे जीतीं और अब विधायक भी बन गई हैं। लेकिन अफसोस है कि वे भी अब पीड़ित परिवार के साथ खुलकर खड़े होने और ऐसे नृशंस अपराध पर आवाज उठाने की जगह खोखले तर्क दे रही हैं कि मेरी बेटी के साथ अस्पताल जैसी सुरक्षित जगह पर ऐसा हुआ, जबकि वो बच्ची बाहर थी या कहां थी, पता नहीं। इस बयान के बाद सभ्य समाज को अपने आप से यह सवाल करना चाहिए कि क्या बच्चे केवल अपने घर में सुरक्षित रह सकते हैं, बाहर नहीं। अगर ऐसा है तो हम किस अधिकार से खुद को सभ्य कहते हैं। और कई मामलों में घर में करीबी रिश्तेदार ही जो शारीरिक शोषण करते हैं, उस वक्त बच्चों के लिए कौन सा सुरक्षित स्थान बताया जाएगा। जाहिर है भाजपा विधायक अपनी पार्टी के खिलाफ या नयी सरकार की कानून व्यवस्था के खिलाफ खुल कर बोलने की स्थिति में नहीं हैं, तो उन्होंने सारा ठीकरा पिछली टीएमसी सरकार पर फोड़ दिया। हालांकि इसकी कोई तुक बनती नहीं। अगर ममता बनर्जी की सरकार लड़कियों के लिए सुरक्षित माहौल बनाने में नाकाम थी, तो जनता ने उन्हें सत्ता से हटा दिया है। अब जिनकी सत्ता है, यानी भाजपा की, तो उसे हर तरह से जिम्मेदारी लेना होगा।

लगता नहीं मामला मैनेज हो पाएगा!

अरविन्द मोहन

जो खबरें आई हैं उनके अनुसार मंदिर ट्रस्ट के प्रमुख नृत्य गोपाल दास समेत सभी सदस्य बहुत गुस्से में थे लेकिन किया इतना ही कि इस्तीफा दे चुके सदस्यों का इस्तीफा मंजूर कर लिया गया। शायद इसे न मानने का प्रावधान भी नहीं है। उधर मुख्य कर्ताधर्ता चंपत राय यह संकल्प दोहराते घूम रहे हैं कि वे यह अपयश लेकर अयोध्या से वापस नहीं जाएंगे। उनके पक्ष में कथित संत समाज के कुछ लोग खुला समर्थन घोषित करने लगे हैं।

राममंदिर के चढ़ावा में चोरी के लगभग सत्तर मामलों में पक्के सबूत मिलने के बाद भी मंदिर ट्रस्ट और उत्तर प्रदेश शासन द्वारा गठित एसआईटी की कार्रवाई का पहला दौर बीत जाने के बाद भी भरोसा नहीं हो रहा है कि मामले के दोषियों को सजा मिल पाएगी या असली अपराधी और मंदिर आंदोलन के असली लाभार्थियों का कभी बाल भी बांका हो पाएगा। इतना जरूर होगा कि कुछ दोषी पकड़े जाएंगे और शायद थोड़ी सजा भी पा जाएंगे। यह भी होगा ही कि आगे से प्रबंधन थोड़ा ज्यादा चौकस होगा और विश्व हिन्दू परिषद को चन्दा संबंधी गड़बड़ी पर नोटिस देने वाले विश्वबंधु गुप्त को परेशान करने से लेकर अयोध्या में जमीन रजिस्ट्री के स्पष्ट घोटाले जैसे मामले सामने आने पर आंख बंद नहीं किया जाएगा। लेकिन आम लोगों के नजरिया से हुए इस महापाप की सजा, प्रायश्चित्त और मंदिर आंदोलन के 'पुण्य-प्रताप' से सत्ता में बैठने और मालामाल होने वालों तक इस कांड की आंच पहुंचेगी इसकी संभावना कम ही लगती है। सारा कुछ राजनीतिक नुकसान कम करने के प्रबंधन से जुड़ा लग रहा है। अभी तक एक भी कदम दोषियों को पकड़ने और सजा दिलाने की तरह ठोस उठाया नहीं लगता-बुलडोजर चलना और इनकाउंटर करने का यूपी का मॉडल लागू करने का तो कोई वकालत भी नहीं कर सकता।

जो खबरें आई हैं उनके अनुसार मंदिर ट्रस्ट के प्रमुख नृत्य गोपाल दास समेत सभी सदस्य बहुत गुस्से में थे लेकिन किया इतना ही कि इस्तीफा दे चुके सदस्यों का इस्तीफा मंजूर कर लिया गया। शायद इसे न मानने का प्रावधान भी नहीं है। उधर मुख्य कर्ताधर्ता चंपत राय यह संकल्प दोहराते घूम रहे हैं कि वे यह अपयश लेकर अयोध्या से वापस नहीं जाएंगे। उनके पक्ष में कथित संत समाज के कुछ लोग खुला समर्थन घोषित करने लगे हैं और एसआईटी ने उनको और उनके चेले को बरी ही कर दिया। पहली नजर में यह मामला आरोपी द्वारा खुला घूमने की स्थिति का लाभ लेने का लगता है और वे जांच या दंड प्रक्रिया को प्रभावित करते दिखते हैं। अजीब यह है कि कोषाध्यक्ष महाराज भी खुलेआम कह रहे हैं कि उनको चढ़ावा और चन्दा से कोई लेना-देना नहीं रहा है। एक और वरिष्ठ नृपेन्द्र मिश्र सब कुछ बीतने पर प्रकट हुए और ऐसा बयान दिया जैसे इस प्रकरण से उनका कोई लेना-देना ही नहीं है। संसद में नया कानून बनाकर मंदिर का नया प्रशासन देने वाले या उत्तर प्रदेश में शासन संभालने और रामराज्य लाने का दावा करने वाले दूध का दूध और पानी का पानी करने के अलावा ज्यादा कुछ करते नजर नहीं आये हैं। चोरी का मामला सामने आने के बाद एफआईआर दर्ज कराने से लेकर एसआईटी में ट्रस्ट प्रशासन के लोगों को रखने और जांच की अवधि बढ़ाने जैसी बुनियादी गलतियों को अगर आप चूक मान लेंगे तो आपसे इस बड़े अनैतिक अपराध की गंभीरता और उसके प्रायश्चित और सजा के प्रसंग में उससे भी बड़ी चूक हो जाएगी। असल में यह मान-मनव्वल से रिकवरी करा कर मामले को रफा-दफा कराने और दोषियों को थोड़ा बहुत डांट-फटकार देने का प्रयास हो सकता है। कल जो दान के कीमती सामान प्रदर्शित हुए उसमें कुछ इसी तरह रिकवर हुए हो सकते हैं। चोरी के ठोस प्रमाण के बाद अपराधियों को खुला छोड़ना और बाद में कुछ को पुलिस रिमांड की जगह न्यायिक हिरासत में भेजने का फैसला इसी के चलते हुआ होगा। अभी भी ट्रस्ट किस अधिकार से अपनी कार्यपद्धति में बदलाव और सीईओ जैसा पद बनाने का फैसला कर रहा है यह साफ नहीं है। हम जानते हैं कि पंद्रह दिन में फैसला होने की अवधि किस तरह बढ़ती गई है और अब ट्रस्ट दोबारा पंद्रह दिन बाद बैठेगा तब तक उस पर काफी कुछ धूल बैठ चुकी होगी। जिस तरह विनय कटियार जैसे लोग एक दिन एक सुर में बोलते हैं और अगले दिन पलट जाते हैं। यह मैनेजमेंट की संघ की स्टाइल है। संघ और भाजपा का मैनेजमेंट स्टाइल अब अनजान भी नहीं है। और उसमें किन-किन चीजों का प्रयोग होता है और हो सकता है यह अज्ञात नहीं है। लेकिन इस बार एक खास बात है। इस बार असली नाराजगी उन साधु संतों में है जिनको राम के नाम से तो मतलब है लेकिन जिनको सत्ता और राजनीति से कोई खास मतलब नहीं है। उनको धन का भी वैसा मोह नहीं है। अब यह जरूर है कि उनकी सहमति से ही अब तक मंदिर आंदोलन में भाजपा शामिल हुई थी और इससे आंदोलन बड़ा हुआ और मंदिर निर्माण संभव हुआ।

आठवां अजूबा रचते महामानव-विश्वगुरु

सर्वमित्रा सुरजन

> दुनिया में हमेशा सात अजूबों की ही बात होती है। भारत तो इन अजूबों का सबसे बड़ा दावेदार है, क्योंकि हमारे पास ताजमहल है, जिसे अजूबा मानकर ही दुनिया भर के सैलानी देखने आते हैं और देखते रह जाते हैं। लेकिन मुगलों की बनाई इस नायाब कृति को पछाड़ने का काम नरेन्द्र मोदी करने जा रहे हैं। सात अजूबों के बाद अब वो आठवें अजूबे के प्रबल दावेदार हो गए हैं। इस गणित को समझना कठिन नहीं है। अगर नरेन्द्र मोदी से पूछेंगे तो वो बता देंगे कि आठ से उनका रिश्ता कितना पुराना है। इस रिश्ते को समझा कर वे अल्बर्ट आइंस्टीन को भी पीछे छोड़ देंगे, जिन्होंने कहा था कि चक्रवृद्धि ब्याज दुनिया का आठवां अजूबा है।

सत्ता की सीढ़ियां चढ़ने में भी मोदी के लिए आठ की संख्या ने बड़ा योगदान दिया है। 26 जनवरी 2001 को भुज में विनाशकारी भूकंप आया था। जोड़ आठ का ही बनता है। उस समय केशुभाई पटेल गुजरात के मुख्यमंत्री थे और इस त्रासदी के बाद राहत और पुनर्वास कार्यों को लेकर उनकी खूब आलोचना हुई, फिर वो सत्ता से हटे।

दुनिया में हमेशा सात अजूबों की ही बात होती है। भारत तो इन अजूबों का सबसे बड़ा दावेदार है, क्योंकि हमारे पास ताजमहल है, जिसे अजूबा मानकर ही दुनिया भर के सैलानी देखने आते हैं और देखते रह जाते हैं। लेकिन मुगलों की बनाई इस नायाब कृति को पछाड़ने का काम नरेन्द्र मोदी करने जा रहे हैं। सात अजूबों के बाद अब वो आठवें अजूबे के प्रबल दावेदार हो गए हैं। इस गणित को समझना कठिन नहीं है। अगर नरेन्द्र मोदी से पूछेंगे तो वो बता देंगे कि आठ से उनका रिश्ता कितना पुराना है। इस रिश्ते को समझा कर वे अल्बर्ट आइंस्टीन को भी पीछे छोड़ देंगे, जिन्होंने कहा था कि चक्रवृद्धि ब्याज दुनिया का आठवां अजूबा है। जो इसे समझता है, वह कमाता है; जो नहीं समझता, वह चुकाता है। अब भारत के लोग बेचारे कर्ज के बोझ में तो ऐसे दबे हुए हैं कि उनके लिए हर तरह का ब्याज चक्रवृद्धि की तरह ही है। जब तक उन्हें पता चलता है कि हमने इस महीने इतने रुपए कमाए हैं, तब तक उससे कहीं ज्यादा का खर्च मोदी सरकार उनके सामने खड़ा कर देती है। आइंस्टीन ने मोदी का शासन नहीं देखा था, वर्ना वो चक्रवृद्धि ब्याज को नहीं मोदी शासन के तौर तरीकों को आठवां अजूबा बता देते और शायद इस देश की जनता को नौवां अजूबा, जो सारे जुल्मो-सितम और तकलीफों के बावजूद इस आस में है कि अच्छे दिन आएंगे। अगर अच्छे दिन आने की तारीख में कहीं आठ का अंक आता, तो मोदी इसे ले भी आते। क्योंकि आठ अंक से उन्हें बड़ा लगाव है।

मोदीजी के गणित के हिसाब से चलें तो उनका जन्मदिन 17 सितम्बर को आता है, एक और सात का जोड़ आठ होता है। ऐसे ही गणित से तो मोदी ने इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो से अपना रिश्ता जोड़ा है। उन्होंने कहा कि मेरे मित्र का जन्मदिन 17 तारीख को आता है, हालांकि आठ का जोड़ बताने के लिए मोदी ने 26 तारीख का सहारा लिया। इंडोनेशिया में दिए अपने भाषण में नरेन्द्र मोदी ने कहा कि हमने पिछले साल 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस मनाया था और 2 और 6 का जोड़ आठ होता है। मोदी समर्थक ऐसे ही उन्हें विश्वगुरु नहीं बताते हैं। 17 और 26 कितनी अलग संख्याएं हैं, एक विषम है एक सम है, दोनों में एक नजर में कोई समानता नहीं दिखती। अगर समानता दिखाने की चुनौती सामने रखी जाए तो गणितज्ञों को न जाने कितने तरह के फॉमूर्ले लगाने पड़ेंगे और तब जाकर कोई मेल दोनों संख्याओं का किया जाएगा। लेकिन बड़ी से बड़ी मुश्किल को आसान करने का नाम ही तो मोदी है। बताइए कितने मजे लेकर कह दिया कि 2 और 6 का जोड़ आठ होता है, 1 और 7 का जोड़ भी आठ ही होता है। ये और बात है कि उन्हें इसके लिए 26 जनवरी याद आई वो भी पिछले साल की। आम भारतीय अब तक यही जानता है कि हमने केवल पिछले साल ही नहीं हर साल 26 जनवरी को ही गणतंत्र दिवस मनाया है।

1950 से यही सिलसिला चल रहा है। अब अगले साल मना पाएंगे या नहीं, क्या मोदी ने इस बारे में कोई इशारा दिया है। बड़े, सयाने लोग ऐसा ही करते हैं, सीधे-सीधे चेतावनी न देकर इशारों में समझते हैं। इस तरह जनता की समझदारी की परीक्षा भी हो जाती है। जैसे जब नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि मैं सत्ता में आऊंगा तो हरेक के खाते में 15-15 लाख डालूंगा, तो लोगों ने उनकी बात का यकीन कर लिया था। अब 15 लाख नहीं आए तो दोष मोदी पर डाल रहे हैं कि वादाखिलाफी की। लेकिन गौर से देखें तो इसमें जनता के गणित की कमजोरी निकली। 15 यानी एक और पांच का जोड़ छह होता है। अंग्रेजी में छह लिखें तो तुम्हारा छह मेरा नौ या मेरा छह तुम्हारा नौ हो सकता है। जिस संख्या में यही तय न हो कि वो असल में क्या है, उसे लेकर कही किसी भी बात पर यकीन ही नहीं करना चाहिए था। मोदी ने तो जनता के यकीन और समझदारी की परीक्षा ली, जिसमें जनता फेल हो गई। अब ये कोई नीट पेपर लीक का मामला तो है नहीं कि बार-बार उसे कराया जाए। इसलिए अब 15 लाख वाली बात को जुमला बोलकर अमित शाह ने ठंडे बस्ते में डालने का पुण्य काम किया है। मोदी अगर कहते कि मैं सबके खाते में 17-17 लाख डालूंगा, तब उनसे सवाल किए जाने थे।

वैसे आठ से मोदी का रिश्ता केवल गणतंत्र दिवस और जन्मदिन तक सीमित नहीं है। वो अपने कार्यकाल की शुरूआत से इसे निभाते आ रहे हैं। मोदी ने 26 मई 2014 को पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी, यहां भी जोड़ आठ बैठा। इसमें आठ देशों के प्रतिनिधियों ने शिरकत की थी, पाकिस्तान से प्रधानमंत्री नवाज शरीफ, श्रीलंका से राष्ट्रपति महिंद्रा राजपक्षे, अफगानिस्तान से राष्ट्रपति हामिद करजई, नेपाल से प्रधानमंत्री सुशील कोइराला, भूटान से प्रधानमंत्री शेरिंग टोबगे, मालदीव से राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन, बांग्लादेश से संसद की स्पीकर शिरिन शर्मिन चौधरी और मॉरीशस से प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम मोदी के प्रधानमंत्री बनने के साक्षी बने। मोदी ने नोटबंदी का फैसला 8 नवंबर को ही लिया। जब राष्ट्र के नाम संबोधन करना हो तो मोदी रात आठ बजे का वक्त ही चुनते थे। पिछले कुछ बार से इसमें तब्दीली आई है वर्ना आठ से मोदी का रिश्ता तोड़ना कठिन था।

सत्ता की सीढ़ियां चढ़ने में भी मोदी के लिए आठ की संख्या ने बड़ा योगदान दिया है। 26 जनवरी 2001 को भुज में विनाशकारी भूकंप आया था। जोड़ आठ का ही बनता है। उस समय केशुभाई पटेल गुजरात के मुख्यमंत्री थे और इस त्रासदी के बाद राहत और पुनर्वास कार्यों को लेकर उनकी खूब आलोचना हुई, फिर वो सत्ता से हटे और अक्टूबर 2001 में नरेंद्र मोदी को गुजरात का नया मुख्यमंत्री बनाया गया था। तब तक मोदी विधायक तक नहीं बने थे, लेकिन सारे दिग्गज नेताओं को पछाड़ते हुए अटलबिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवानी ने उन्हें मुख्यमंत्री बनाया। इसके बाद 24 फरवरी 2002 को हुए उपचुनाव में मोदी पहली बार विधायक बने। इस संख्या के जोड़ में अतिरिक्त दो आ गया है, लेकिन ये वैसा ही है जैसे मोदी ने एक्स्ट्रा 2 एबी का फामूर्ला कनाडा में बताया था। ये भी मोदी की राजनैतिक दूरदर्शिता ही है कि आठ के अंक के अलावा 2 एक्स्ट्रा साथ में रखो, न जाने कब कहां कौन सा फामूर्ला फिट करने की जरूरत पड़ जाए। विश्वगुरु मोदी के लिए नए फामूर्ले गढ़ना तो बाएं हाथ का काम है। अपनी बुद्धि का कमाल वो अमेरिका में भी दिखा चुके हैं। ट्रंप मेक अमेरिका ग्रेट अगेन बोलते रह गए, मोदी ने फौरन उसमें फिट होने का प्लान तैयार किया, और कह दिया कि मेक इंडिया ग्रेट अगेन, फिर मागा और मीगा को मिलाकर मेगा कैसे बनता है, ये संधि ट्रंप को समझा दी। आठ का गणित यहां भी काम कर गया। मेक अमेरिका ग्रेट अगेन में चार शब्द हैं और मेक इंडिया ग्रेट अगेन में भी चार, चार और चार आठ होते हैं।

एसआईआर: कमजोर पर वार!

राजेंद्र शर्मा

चुनाव आयोग की विवादास्पद भूमिका के संबंध में जहां स्वाभाविक रूप से विधानसभाई चुनावों के हाल के चक्र में और विशेष रूप से प. बंगाल तथा असम में उसके अनेक विवादास्पद निर्णयों की ओर इशारा किया गया है, वहीं आयोग के जिस एक निर्णय की इस संयुक्त पत्र में अपेक्षाकृत विस्तार से चर्चा की गयी है, वह है मतदाता सूचियों का विशेष सघन पुनरीक्षण।

देश की 23 विपक्षी पार्टियों ने संयुक्त रूप से चिट्ठी लिखकर देश के सर्वोच्च न्यायालय से देश में जनतंत्र को बचाने के लिए हस्तक्षेप करने की गुहार लगायी है। स्वतंत्र भारत के इतिहास में यह शायद पहला ही मौका है, जब विपक्ष ने इस तरह सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। विपक्ष के इस कदम में, एक प्रकार की लाचारी भी छुपी है। चिट्ठी का अंत इस यथार्थ स्थिति के बयान पर होता है कि अगर इस अदालत के दरवाजे से भी न्याय नहीं मिलता है, तो शायद न्याय के लिए खटखटाने के लिए और कोई दरवाजा ही नहीं रह जाएगा! याद रहे कि जिन विपक्षी पार्टियों ने मिलकर यह गुहार लगायी है, संसद में भले ही अल्पमत में हों, पर वास्तव में जनमत के सत्ता पक्ष के मुकाबले कुछ न कुछ बड़े हिस्से का ही प्रतिनिधित्व करती हैं, छोटे हिस्से का नहीं। जनमत के उल्लेखनीय हिस्से की इस गहरी चिंता से इसका बखूबी अंदाजा लगाया जा सकता है कि मोदी राज में भारत में जनतंत्र पर कितना भारी खतरा छाया हुआ है।

हैरानी की बात नहीं है कि विपक्षी पार्टियों की इस चिट्ठी में सबसे प्रमुख रूप से चुनाव आयोग की भूमिका का सवाल उठाया गया है, जिसने जनतांत्रिक चुनाव के निष्पक्ष एंपायर की अपनी संविधान में कल्पित भूमिका का करीब-करीब त्याग ही कर दिया है और एक तरह से सत्ताधारी टीम में ही शामिल हो गया है। इस संदर्भ में चिट्ठी में यह भी याद दिलाया गया है कि किस तरह, अनूप बरनवाल बनाम भारतीय संघ मामले में सर्वोच्च न्यायालय के ही संसदीय पीठ ने, चुनाव आयोग की कार्यपालिका से स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के पक्ष में जो फैसला दिया था और इसके लिए सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश, देश के प्रधानमंत्री और नेता विपक्ष के तीन सदस्यीय पैनल द्वारा मुख्य चुनाव आयुक्त तथा चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति किए जाने का जो आदेश दिया था, उसे मोदी राज ने संसद में अपने बहुमत के बल पर, एक नया कानून लाकर पूरी तरह से ही उलट दिया। अब तीन सदस्यीय पैनल में से मुख्य न्यायाधीश को हटाकर, उनकी जगह पर प्रधानमंत्री द्वारा नामजद उनके एक मंत्रिमंडलीय सहयोगी को लाया जा चुका है और इस तरह चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की प्रक्रिया पर कार्यपालिका का पूर्ण नियंत्रण स्थापित हो चुका है। नतीजा यह है कि आज चुनाव आयोग की भूमिका जितनी विवादास्पद हो गयी है, इससे पहले कभी भी नहीं थी।

चुनाव आयोग की विवादास्पद भूमिका के संबंध में जहां स्वाभाविक रूप से विधानसभाई चुनावों के हाल के चक्र में और विशेष रूप से प. बंगाल तथा असम में उसके अनेक विवादास्पद निर्णयों की ओर इशारा किया गया है, वहीं आयोग के जिस एक निर्णय की इस संयुक्त पत्र में अपेक्षाकृत विस्तार से चर्चा की गयी है, वह है मतदाता सूचियों का विशेष सघन पुनरीक्षण कराने का चुनाव आयोग का इकतरफा फैसला। याद रहे कि मतदाता सूचियों को शुद्धता सुनिश्चित करने के नाम पर, चुनाव आयोग द्वारा बिहार में विधानसभा चुनाव से चंद महीने पहले हड़बड़ी में जब यह प्रक्रिया शुरू की गयी थी, तभी से इस प्रक्रिया की जरूरत, उपयुक्तता तथा वैधता पर सवाल उठ रहे थे। जिस तरह लगभग असंभव समय सीमाओं के साथ, मतदाता सूचियां लगभग नये सिरे से तैयार कराए जाने का प्रयास किया जा रहा था, उस हड़बड़ी के अलावा और उससे भी महत्वपूर्ण रूप से, इस पूरी प्रक्रिया को दस्तावेजी साक्ष्यों के सहारे नागरिकता परीक्षण यानी पिछले दरवाजे से राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर थोपे जाने में तब्दील किए जाने पर, शुरू से गंभीर सवाल उठाए जा रहे थे।

बहरहाल, इन सभी सवालों को इस झूठे सांप्रदायिक प्रचार से दबाने की कोशिश की कि यह कसरत वास्तव में मतदाता सूचियों से 'विदेशियों' को छानकर निकालने के लिए जरूरी थी। लेकिन, जब बिहार में एसआईआर की प्रक्रिया पूरी हो गयी, इस प्रक्रिया में छनकर निकले 'विदेशियों' की संख्या सैकड़ों तो क्या दर्जनों में भी नहीं थी, जिसकी वजह से पत्रकारों के बार-बार पूछने के बावजूद, चुनाव आयोग से यह बताते नहीं बना कि बिहार में कितने विदेशी नागरिक मतदाता बने पाए गए थे। इसके बावजूद, चुनाव आयोग ने बिहार के बाद दूसरे चरण में देश के करीब आधे राज्यों पर, जिनमें इसी साल के पूर्वार्द्ध में विधानसभाई चुनावों की तैयारी कर रहे बंगाल समेत चार राज्य तथा एक केंद्र शासित प्रदेश शामिल थे, न सिर्फ एसआईआर थोप दिया बल्कि एक ओर केंद्रीय सत्ता व सत्ताधारी संघ-भाजपा और दूसरी ओर चुनाव आयोग की जुगलबंदी के सहारे, एसआईआर की प्रक्रिया को 'घुसपैठियों' को निकालने के लिए मतदाता सूचियों की गहरी 'छनाई' के रूप में पेश किया जाना जारी रहा।

बिहार में जब एसआईआर की प्रक्रिया शुरू हुई, तभी से यह ध्यान दिलाया जा रहा था कि दस्तावेजी साक्ष्यों से नागरिकता को प्रमाणित करने को प्राथमिकता देने वाली यह प्रक्रिया, आर्थिक व सामाजिक रूप से कमजोर तबकों यानी भूमिहीनों, अनपढ़ों, दलितों, महिलाओं, अल्पसंख्यकों आदि को, मतदाता सूचियों से बाहर करने और उनका मताधिकार छीनने का काम करेगी। और ठीक यही हुआ भी। हालांकि, आशंकाओं के विपरीत, मुस्लिम अल्पसंख्यकों की बहुत बड़ी संख्या को बाहर नहीं किया जा सका और दूसरी ओर, प्रवासी मजदूरों की खासतौर पर बड़ी संख्या पर इस छंटाई की गाज गिरी, फिर भी इस प्रक्रिया में जो 65 लाख नाम मतदाता सूचियों से हटाए गए, उनमें से मृतकों की श्रेणी के 22 लाख और एक से ज्यादा जगह नाम की श्रेणी के 7 लाख नामों को छोड़ भी दें तो, 36 लाख यानी कुल मतदाताओं के 5 फीसद से ज्यादा के नाम, उनके जिंदा होते हुए काट दिए गए। इनमें आर्थिक तथा सामाजिक रूप से कमजोर तबकों के यानी भूमिहीनों, अनपढ़ों, दलितों, महिलाओं तथा मुसलमानों के नाम, आबादी में उनके अनुपात की तुलना में उल्लेखनीय रूप से ज्यादा थे। यानी यह अपनी संरचना से ही, कमजोर तबकों के मताधिकार छीनने का हथियार है।बहरहाल, दूसरे चरण में और खासतौर पर बंगाल में, एसआईआर को चुनाव को और सीधे-सीधे प्रभावित करने के हथियार में तब्दील कर दिया गया। चूंकि इस राज्य में केंद्र की सत्ताधारी पार्टी की विरोधी पार्टी सत्ता में थी, संभावित विपक्षी मतदाताओं पर सामान्य रूप से बड़े पैमाने पर कैंची चलाना मुश्किल था। इसलिए, एसआईआर के पहले चरण के बाद, चुनाव आयोग ने समूची प्रक्रिया को बाहर से लाए गए केंद्रीय शासन के वफादार अधिकारियों के हाथों में सौंपने के अलावा एक ऐसे अमोघ अस्त्र का प्रयोग किया, जिसका एसआईआर की प्रक्रिया में भी इससे पहले प्रयोग नहीं किया गया था।

भारत के आर्थिक विकास को रोकने के लिए अमेरिका सब कुछ करेगा

सात्यकी चक्रवर्ती

प्रस्तावित भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की पूरी जानकारी तो नहीं है, लेकिन वरिष्ठ अधिकारी लैंडाऊ के बयान का लहजा कई व्यापार विशेषज्ञों की उन आशंकाओं को सही ठहराता है कि अमेरिका जल्दबाजी में भारत पर ऐसा व्यापार समझौता थोप रहा है जिसमें सिर्फ अमेरिका के हितों की रक्षा हो रही है, भारत के नहीं।

ट्रंप-मोदी की दोस्ती और भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता जारी रहने के बीच, पूर्व भारतीय गुप्तचर विभाग के प्रमुख विक्रम सूद ने रविवार को एक ब्रिटिश नेटवर्क को दिए साक्षात्कार में कहा कि वर्तमान अमेरिकी डिप्टी सेक्रेटरी ऑफ स्टेट क्रिस्टोफर लैंडाऊ ने मार्च 2026 में अपने भारत दौरे के दौरान भारतीय अधिकारियों से कहा था कि वाशिंगटन भारत की तेज आर्थिक विकास को रोकने के लिए टैरिफ, प्रतिबंध और दूसरे तरीकों का इस्तेमाल करेगा और भारत को अमेरिका के साथ मुकाबला करने वाली एक बड़ी ताकत के तौर पर उभरने नहीं देगा। सूद के मुताबिक लैंडाऊ ने उस नई दिल्ली बैठक में कहा था, 'हमने चीन को एक बड़ी आर्थिक ताकत बनने में मदद करके गलती की। हम भारत के साथ ऐसा नहीं करने जा रहे हैं। हम वह गलती दोबारा नहीं करेंगे।' सूद ने यह साक्षात्कार ब्रिटिश करेंट अफेयर्स प्रोग्राम न्यू ऑर्डर में दिया था, जिसे होस्ट ने लैंडाऊ की टिप्पणी के मूल वीडियो के साथ सोशल मीडिया पर शेयर किया था। इस साक्षात्कार ने राजनयिक हल्कों में हंगामा मचा दिया है।

लैंडाऊ अभी भी डिप्टी सेक्रेटरी ऑफ स्टेट हैं और उन्हें ट्रंप की मगा (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) लॉबी के साथ-साथ अपने बॉस सेक्रेटरी ऑफ स्टेट मार्को रुबियो के भी करीब माना जाता है। जहां तक भारत-अमेरिकी रिश्तों की बात है, रुबियो सबसे ज्यादा दिखने वाले अमेरिकी अधिकारी हैं, लेकिन लैंडाऊ ट्रंप प्रशासन के मन की बात कहते हैं। वह द्विपक्षीय रिश्तों के भविष्य के बारे में अमेरिकी सोच के बारे में खुलकर बात करते हैं।

हाल के दिनों में, ट्रंप प्रशासन भारत सहित भारत-प्रशांत सुरक्षा के अपने पुराने विचार में कम दिलचस्पी ले रहा है। ट्रंप प्रशासन की बड़ी एशिया रणनीति में भारत की अहमियत कम हो गई है। यह सब इस साल मई में बीजिंग में ट्रंप-शी जिनपिंग शिखर सम्मेलन के बाद हुआ है। नतीजतन, अब उसका ध्यान भारत से व्यापार और रक्षा खरीद में ज्यादा से ज्यादा छूट लेने पर है, और साथ ही यह पक्का करना है कि भारत के विकास की रफ्तार अमेरिकी आर्थिक शक्ति के लिए कोई खतरा न बने।

भारतीय विदेश मंत्रालय भी अमेरिकी डिप्टी सेक्रेटरी क्रिस्टोफर लैंडाऊ की टिप्पणी के असली मतलब का अंदाजा लगा रहे हैं, लेकिन चीन ने तुरंत प्रतिक्रिया दी क्योंकि लैंडाऊ ने चीन का उदाहरण देते हुए कहा कि अमेरिका अब भारत के मामले में ऐसी गलती नहीं करेगा।

चीनी जानकारों ने नई दिल्ली के प्रति वाशिंगटन के नजरिए को 'लिमिटेड इंगेजमेंट और सीलिंग कंट्रोल' की दोहरी रणनीति बताया। उसने तर्क दिया कि अलग-अलग राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाओं, विश्व व्यवस्था के नजरिए, भूराजनीतिक हितों, औद्योगिक प्रतिस्पर्धा और राजनयिक परंपराओं से पैदा हुए गहरे ढांचागत विरोधाभासों को भारत और अमेरिका के बीच राजनयिक बातचीत या आर्थिक सहयोग से पूरी तरह हल नहीं किया जा सकता। सिंघुआ विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय रणनीति संस्थान में अनुसंधान विभाग के निदेशक कियानफेंग ने सोमवार को ग्लोबल टाइम्स को बताया कि पिछले दो दशकों में अमेरिका-भारत संबंधों का तेजी से विस्तार एक हद तक पहुंच रहा है, क्योंकि दोनों देश ऐसे ढांचागत विरोधाभासों का सामना कर रहे हैं जिन्हें सुलझाना मुश्किल है। ये अंतर उनके विकास के अलग-अलग चरण, रणनीतिक संस्कृति, भूराजनीतिक स्थिति, राजनयिक परंपराओं और उनके नेतृत्व के विदेश नीति आधार से पैदा होते हैं।

कियान ने कहा कि रणनीतिक स्वायत्तता के लिए भारत की लंबे समय से चली आ रही प्रतिबद्धता, वॉशिंगटन के सहयोग आधारित दृष्टिकोण से बिल्कुल अलग है। नई दिल्ली ने अमेरिका के रणनीतिगत मकसदों के साथ पूरी तरह से जुड़ने के बजाय, अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर लगातार एक स्वतंत्र विदेश नीति अपनाई है। क्वाड और भारत-प्रशान्त रणनीति जैसे ढांचे के अंदर भी भारत अमेरिका के साथ एक औपचारिक सहयोगी या कनीय सुरक्षा भागीदार के बजाय एक बराबर के भागीदार के तौर पर जुड़ना चाहता है।

ऑफिशियल मीडिया में चीनी विशेषज्ञ की इस टिप्पणी से पता चलता है कि चीन अब भारत-चीन द्विपक्षीय संबंध को बेहतर बनाने के लिए भारत को लुभाने की कोशिश कर रहा है और अपने पहले के इस रूख को नरम कर दिया है कि अमेरिका ने अपनी भारत-प्रशान्त रणनीति में भारत को एक भागीदार के तौर पर लिया है, जो मुख्य रूप से चीन के खिलाफ थी। चीनी विश्लेषक का जोर इस बात पर है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिकी दबाव को नज?अंदाज करते हुए एक स्वतंत्र नीति अपनाने की कोशिश कर रहे थे।

चीनी विशेषज्ञ के मुताबिक लैंडाऊ की बातें भारत के प्रति वॉशिंगटन के बड़े दृष्टिकोण को दिखाती हैं, और वह है भूराजनीतिक प्रतिस्पर्धा में नई दिल्ली का समर्थन मांगते हुए उसे औद्योगिक श्रृंखला के निचले सिरे पर लॉक करना। उन्होंने तर्क दिया कि ऐसी रणनीति भारत के रणनीतिगत लक्ष्यों के खिलाफ है।

कियानफेंग के अनुसार, 'उद्योगीकरण सभी विकासशील देशों का एक कानूनी अधिकार है। जीरो-सम सोच (एक का लाभ दूसरे की हानि है) से प्रेरित होकर, अमेरिका दूसरे देशों के विकास पर एक सीमा लगाना चाहता है। टैरिफ और तकनीकी रुकावटों के जरिए वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को तोड़कर, यह भारत को ब्रिक्स फ्रेमवर्क के साथ-साथ चीन और रूस के साथ सहयोग को और गहरा करने के लिए ही प्रेरित करेगा, जिससे औद्योगिक श्रृंखला के विविधिकरण में तेजी आएगी।'

अभी भारत और अमेरिका 2026 के खत्म होने से बहुत पहले व्यापार समझौते को पूरा करने की दौड़ में लगे हैं। भारत के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि 99 प्रतिशत मुद्दे बातचीत में सुलझा लिया गया है। अमेरिकी अधिकारियों ने इस बात पर भी जोर दिया कि दोनों देशों के बीच व्यापार का ढांचा लगभग तैयार है। लेकिन भारत-अमेरिका व्यापार बातचीत के आखिरी दौर में भी, अमेरिका ने सेक्शन 301 के तहत प्रतिबंध लगाने की बात कही। इसका मतलब था कि जांच के दायरे में आने वाले देशों (जिनमें भारत भी शामिल है) पर 12.5 प्रतिशत ड्यूटी लगाई जाएगी।

प्रस्तावित भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की पूरी जानकारी तो नहीं है, लेकिन वरिष्ठ अधिकारी लैंडाऊ के बयान का लहजा कई व्यापार विशेषज्ञों की उन आशंकाओं को सही ठहराता है कि अमेरिका जल्दबाजी में भारत पर ऐसा व्यापार समझौता थोप रहा है जिसमें सिर्फ अमेरिका के हितों की रक्षा हो रही है, भारत के नहीं।

जनता की समस्याओं पर त्वरित कार्रवाई, जन समाधान दिवस में 10 शिकायतें निस्तारित

अरुण कुमार रवि

झारखण्डः नगर पंचायत छतरपुर द्वारा बुधवार को नगर पंचायत सभागार में आयोजित जन समाधान दिवस आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान का प्रभावी मंच साबित हुआ। कार्यक्रम में नगर क्षेत्र के विभिन्न वार्डों से बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याओं एवं शिकायतों को लेकर पहुंचे। नगर पंचायत प्रशासन ने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया, जबकि शेष मामलों के शीघ्र निष्पादन के लिए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जन समाधान दिवस के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना, होल्डिंग टैक्स, सड़क एवं नाली निर्माण, साफ-सफाई, पेयजल आपूर्ति, स्ट्रीट लाइट, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, जल निकासी, अतिक्रमण, सार्वजनिक स्थलों की सफाई, वार्डों में विकास कार्यों की प्रगति सहित विभिन्न जनसुविधाओं से जुड़ी 20 से अधिक शिकायतें दर्ज की गईं। इनमें से 10 से अधिक शिकायतों का समाधान अधिकारियों ने मौके पर ही कर दिया। जिन मामलों में तकनीकी या विभागीय प्रक्रिया आवश्यक थी, उन्हें प्राथमिकता सूची में शामिल करते हुए जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए नगर पंचायत अध्यक्ष अरविन्द गुप्ता 'चुनमून' ने कहा कि नगर पंचायत का मूल उद्देश्य जनता को पारदर्शी, जवाबदेह एवं समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि और प्रशासन तभी सफल माने जाएंगे जब आम नागरिक बिना किसी परेशानी के अपनी समस्याओं का समाधान प्राप्त कर सकें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक शिकायत का गंभीरता से परीक्षण कर निर्धारित समय सीमा के भीतर उसका निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि नगर पंचायत कार्यालय जनता की सेवा के लिए है और किसी भी नागरिक को अपनी समस्या के समाधान के लिए बार-बार कार्यालयों का चक्कर नहीं लगाना पड़े, इसके लिए प्रशासन लगातार व्यवस्था को और बेहतर बना रहा है। जन समाधान दिवस इसी सोच का परिणाम है, जहां एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों से जुड़ी समस्याओं की सुनवाई और समाधान की व्यवस्था की गई है।

नगर पंचायत उपाध्यक्ष मंजीत यादव ने कहा कि जन समाधान दिवस नागरिकों और प्रशासन के बीच विश्वास का मजबूत सेतु बनकर उभर रहा है। उन्होंने कहा कि नगर पंचायत प्रत्येक वार्ड में बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। सड़क, नाली, पेयजल, स्वच्छता एवं प्रकाश व्यवस्था जैसी मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता के आधार पर विकसित किया जा रहा है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपनी समस्याओं को छिपाने के बजाय सीधे प्रशासन के समक्ष रखें, ताकि उनका शीघ्र समाधान किया जा सके। कार्यपालक पदाधिकारी फैजुर रहमान ने कहा कि नगर पंचायत नागरिकों की सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि प्राप्त सभी शिकायतों का डिजिटल एवं विभागीय स्तर पर पंजीकरण किया जा रहा है, जिससे प्रत्येक मामले की नियमित मॉनिटरिंग की जा सके। जिन शिकायतों का तत्काल समाधान संभव नहीं है, उनके लिए संबंधित शाखाओं को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने कहा कि नगर पंचायत में सिंगल विंडो सिस्टम लागू होने से नागरिकों को अलग-अलग कार्यालयों का चक्कर नहीं लगाना पड़ रहा है। एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों से जुड़े मामलों की सुनवाई और समाधान की प्रक्रिया संचालित की जा रही है। इससे लोगों का समय, श्रम और धन तीनों की बचत हो रही है तथा प्रशासनिक व्यवस्था अधिक पारदर्शी एवं जवाबदेह बन रही है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों ने बारी-बारी से लोगों की समस्याएं सुनीं और आवश्यक दस्तावेजों की जांच कर कई मामलों का तत्काल निस्तारण किया। जिन मामलों में स्थल निरीक्षण या अन्य विभागों से समन्वय आवश्यक था, उन्हें संबंधित अधिकारियों को सौंपते हुए शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

जन समाधान दिवस में पहुंचे नागरिकों ने नगर पंचायत की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि पहले छोटी-छोटी समस्याओं के समाधान के लिए कई दिनों तक कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे, लेकिन अब एक ही मंच पर अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में समस्याओं का समाधान हो रहा है। इससे आम लोगों का समय बच रहा है और प्रशासन के प्रति विश्वास भी लगातार बढ़ रहा है। नगर पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि भविष्य में भी जन समाधान दिवस का आयोजन नियमित रूप से किया जाएगा ताकि प्रत्येक नागरिक को उसकी समस्या का समयबद्ध समाधान मिल सके। उन्होंने कहा कि नगर पंचायत का लक्ष्य छतरपुर को स्वच्छ, सुंदर, विकसित, पारदर्शी और जनहितैषी नगर बनाना है, जहां प्रत्येक नागरिक को बेहतर नागरिक सुविधाएं उपलब्ध हों और प्रशासन जनता के प्रति पूरी तरह जवाबदेह रहे। इस अवसर पर नगर पंचायत के उपाध्यक्ष मंजीत यादव, कार्यपालक पदाधिकारी फैजुर रहमान, सिटी मैनेजर मुर्तजा अंसारी, सभी वार्ड पार्षद, नगर पंचायत के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन नागरिकों को उनकी शिकायतों के शीघ्र समाधान का भरोसा दिलाते हुए किया गया।

वाहन आग हादसे पर हुई मॉक ड्रिल

राहत-बचाव तैयारियों का हुआ परीक्षण

प्रमोद कुमार बंसल

राजस्थानः कोटपूतली जिले के मोलाहेड़ा क्षेत्र में वाहन में आग लगने की काल्पनिक घटना पर आधारित जिला प्रशासन, पुलिस, अग्निशमन विभाग और चिकित्सा विभाग द्वारा संयुक्त मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस अभ्यास का उद्देश्य आपदा की स्थिति में विभिन्न विभागों के बीच समन्वय, त्वरित प्रतिक्रिया और राहत-बचाव कार्यों की तैयारियों का परीक्षण करना था। मॉक ड्रिल में परिकल्पना की गई कि यात्रियों से भरी बस गैस टैंकर से टकराने के बाद बिजली के पोल से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो जाती है, जिसमें लगभग 10 लोग घायल हो जाते हैं। घायलों में मुकेश (22), कार्तिक (23), विशाल सिंह (22), अनिल कुमार (27), शशांक तिवाड़ी (24), विकास (23), धर्मेंद्र (29), सुनील (30), राहुल (22) और आनंद (21) शामिल बताए गए। राहत की बात यह रही कि यह पूरी घटना काल्पनिक थी और किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन, पुलिस, अग्निशमन और चिकित्सा विभाग की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और मानक संचालन प्रक्रिया (रडढ) के अनुसार राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया।

इस दौरान आग पर नियंत्रण, क्षेत्र की घेराबंदी, यातायात प्रबंधन, फंसे हुए लोगों का सुरक्षित रेस्क्यू, प्राथमिक उपचार तथा घायलों को एंबुलेंस के माध्यम से अस्पताल पहुंचाने का अभ्यास किया गया। मॉक ड्रिल के दौरान विभागों की त्वरित कार्रवाई क्षमता, मेडिकल टीम की तत्परता, रिस्पॉन्स टाइम और आपसी समन्वय का भी परीक्षण किया गया। अधिकारियों ने इस अभ्यास को वास्तविक आपदा प्रबंधन तैयारियों को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण बताया।

इस अवसर पर जिला कलेक्टर अपर्णा गुप्ता और जिला पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। जिला कलेक्टर ने कहा कि इस प्रकार की मॉक ड्रिल से आपदा प्रबंधन प्रणाली और अधिक सुदृढ़ होती है तथा विभागों की कार्यक्षमता का आकलन संभव होता है।

उन्होंने सभी विभागों को आपात परिस्थितियों के लिए संसाधनों को हमेशा तैयार रखने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सड़क दुर्घटना या आग लगने की स्थिति में तुरंत सुरक्षा घेरा बनाना, भीड़ को नियंत्रित करना और समय पर संबंधित विभागों को सूचना देना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने वाहन चालकों से नियमित तकनीकी जांच कराने और सुरक्षा उपकरणों के उपयोग की अपील की।

ग्रामीणों ने जर्जर सड़कों की मरम्मत को लेकर जिला कलक्टर को सौंपा ज्ञापन

प्रमोद कुमार बंसल

राजस्थानः कोटपूतली ग्राम सुदरपुरा ढाढ़ा के ग्रामीणों ने गांव की खस्ताहाल सड़कों की मरम्मत और नवीनीकरण की मांग को लेकर उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी के नाम जिला कलक्टर अपर्णा गुप्ता को ज्ञापन सौंपा है। ग्रामीणों ने बताया कि लंबे समय से सड़कों की मरम्मत नहीं होने के कारण आवागमन पूरी तरह प्रभावित हो गया है और लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन में बताया गया कि सुदरपुरा से मीरापुर फॉर्म तक जाने वाली लगभग 2 किलोमीटर लंबी मुख्य सड़क की स्थिति बेहद दयनीय हो चुकी है। सड़क पर 2-2 फीट गहरे गड्ढे बन गए हैं, जिससे वाहन चलाना तो दूर पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। यह सड़क ग्रामीणों को मुख्य कस्बे से जोड़ने का एकमात्र साधन है। ग्रामीणों ने कहा कि बारिश के मौसम में स्थिति और भी खराब हो जाती है। जलभराव और कीचड़ के कारण आमजन को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इस वजह से कई बार दुर्घटनाएं भी हो चुकी हैं। सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों और बुजुर्गों को हो रही है, क्योंकि बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है और वे समय पर स्कूल नहीं पहुंच पा रहे हैं। इसके अलावा सुदरपुरा से ढाढ़ा की ओर चंदा मोड़ से इंद्राज टंकी तक लगभग 400 मीटर का रास्ता भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुका है। ग्रामीणों ने बताया कि यह मार्ग भी बेहद खराब हालत में है, जिससे आवागमन बाधित है। इस दौरान सरपंच उमेश यादव सहित बड़ी

बरसात में भी बनास नदी में अवैध बजरी खनन जारी, प्रशासन पर उठे सवाल

प्रकाश गडरी

राजस्थानः राजस्थान के कपासन और राशमी क्षेत्र में बनास नदी में कथित अवैध बजरी खनन को लेकर स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है। वर्षा ऋतु के दौरान खनन पर प्रतिबंध होने के बावजूद नदी क्षेत्र में बजरी खनन जारी रहने के आरोपों ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की कार्यशैली पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि नियमों की अनदेखी कर खनन गतिविधियां संचालित हो रही हैं, जबकि जिम्मेदार विभाग इस पर प्रभावी कार्रवाई करते नजर नहीं आ रहे। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि बरसात के मौसम में नदी से बजरी निकालने पर रोक के स्पष्ट नियम होने के बावजूद खनन माफिया बेखौफ होकर सक्रिय हैं। उनका कहना है कि इस अवैध गतिविधि से न केवल पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा है, बल्कि नदी के प्राकृतिक स्वरूप और आसपास

के क्षेत्रों की सुरक्षा पर भी खतरा मंडरा रहा है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इस पर रोक नहीं लगाई गई तो भविष्य में गंभीर पर्यावरणीय और भौगोलिक समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

ग्रामीणों ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से कई सवाल भी उठाए हैं। उनका कहना है कि आखिर प्रतिबंध के बावजूद बनास नदी में बजरी खनन किसके संरक्षण में चल रहा है। यदि खनन अवैध है तो संबंधित अधिकारियों द्वारा कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही। लोगों ने यह भी पूछा कि अवैध खनन पर पूरी तरह रोक कब लगेगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कब होगी। क्षेत्रवासियों का कहना है कि प्रशासन की चुप्पी और जनप्रतिनिधियों की खामोशी से लोगों में असंतोष बढ़ रहा है। उनका आरोप है कि कई बार शिकायतें किए जाने के बावजूद स्थिति में कोई खास बदलाव नहीं आया है। इससे यह धारणा बन रही है कि खनन माफिया के खिलाफ कार्रवाई करने में प्रशासन पूरी तरह सक्रिय नहीं है।

जनता ने राज्य सरकार और संबंधित विभागों से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा यदि कहीं भी अवैध बजरी खनन हो रहा है तो तत्काल प्रभाव से उसे बंद कराया जाए। साथ ही अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों के खिलाफ कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है और प्रशासन की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। स्थानीय लोग अब उम्मीद कर रहे हैं कि संबंधित विभाग मामले का संज्ञान लेकर आवश्यक कार्रवाई करेगा और यदि कहीं नियमों का उल्लंघन हो रहा है तो उसे तत्काल रोका जाएगा।

एक नजर

पीला जोहड़ की सफाई के बाद मृत मछलियों के निस्तारण की उठी मांग

प्रमोद कुमार बंसल/राजस्थानः कोटपूतली निकटवर्ती ग्राम सांगटेड़ा स्थित जन-आस्था के केंद्र पीला जोहड़ में सैकड़ों मछलियों की मौत के बाद शुरू हुआ सफाई अभियान अब पूरा हो गया है, लेकिन मृत मछलियों के खुले में फेंके जाने से नई समस्या खड़ी हो गई है। इससे क्षेत्र में बदबू और संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए कांग्रेस एससी विभाग के जिलाध्यक्ष तारा पूतली ने पहले जोहड़ में मछलियों की मौत का मुद्दा उठाया था, जिसके बाद नगर परिषद ने तत्काल कार्रवाई करते हुए सफाई अभियान शुरू किया। सफाई कर्मचारियों ने जाल की मदद से जोहड़ से मृत मछलियों को बाहर निकाला। हालांकि, सफाई के दौरान निकाली गई मछलियों का उचित निस्तारण नहीं किए जाने पर सवाल उठे हैं। आरोप है कि मृत मछलियों को खुले में ही फेंक दिया गया, जिससे दुर्गंध और संक्रामक बीमारियों का खतरा पैदा हो गया है।

तारा पूतली ने मौके पर निरीक्षण के दौरान कहा कि सफाई केवल कचरा हटाने तक सीमित नहीं है, बल्कि उसका सुरक्षित और वैज्ञानिक निस्तारण भी जरूरी है। उन्होंने नगर परिषद से मांग की कि मृत मछलियों को गांव से दूर गहरे गड्ढे में दबाया जाए या निर्धारित प्रक्रिया के तहत नष्ट किया जाए। उन्होंने कहा कि यह मामला केवल सफाई का नहीं बल्कि जन-स्वास्थ्य, पर्यावरण और आस्था से जुड़ा है। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई है कि नगर परिषद इस गंभीर मुद्दे पर तुरंत ध्यान देगी। फिलहाल जोहड़ की सफाई तो कर दी गई है, लेकिन उचित निस्तारण की मांग अब प्रमुख मुद्दा बनी हुई है।

एनएचएआई ने शुरू की हाईवे की राइट ऑफ वे सीमा की मार्किंग, अतिक्रमण हटाने की तैयारी हुई तेज

प्रमोद कुमार बंसल/राजस्थानः कोटपूतली राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने कोटपूतली क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग की राइट ऑफ वे (Right of Way) सीमा की मार्किंग का कार्य शुरू कर दिया है। इस अभियान के तहत हाईवे किनारे स्थित स्थायी और अस्थायी अतिक्रमणों को चिन्हित किया जा रहा है, जिससे अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया को तेज किया जा सके। एनएचएआई अधिकारियों के अनुसार दुकानों के आगे बने चबूतरे, बाउंड्री वॉल, रैंप, सीढ़ियां और अन्य अवैध निमार्णों पर निशान लगाए जा रहे हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय सीमा के भीतर स्वयं अतिक्रमण नहीं हटाने वालों के खिलाफ प्रशासन की मौजूदगी में ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों का कहना है कि वर्ष 2009-11 के दौरान राइट ऑफ वे के अंतर्गत आने वाली भूमि का मुआवजा संबंधित भूमि स्वामियों को दिया जा चुका है। सर्वोच्च न्यायालय के निदेशों की पालना सुनिश्चित करने के लिए जिला स्तर पर राजमार्ग सुरक्षा टास्क फोर्स का गठन भी किया गया है। जिला कलेक्टर अपर्णा गुप्ता की अध्यक्षता में विभिन्न विभागों के समन्वय से हाईवे क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। प्रशासन ने हाईवे किनारे रहने वाले लोगों और व्यापारिक प्रतिष्ठान संचालकों से अपील की है कि वे निर्धारित सीमा में आने वाले अतिक्रमण स्वयं हटा लें, ताकि किसी प्रकार की कार्रवाई से बचा जा सके। इस अभियान का उद्देश्य राजमार्ग की सुरक्षा बढ़ाना, यातायात को सुगम बनाना और सड़क दुर्घटनाओं की संभावनाओं को कम करना बताया गया है।

गाय को चारा देने गए पशुपालक पर शेर का हमला ग्रामीणों ने बचाई जान वीडियो हुआ वायरल

प्रकाश गडरी

गुजरातः भावनगर जिले के पालिताना क्षेत्र के गरजिया गांव में एक पशुपालक पर शेर के हमले की घटना सामने आई है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है,

जिसमें शेर पशुपालक का हाथ अपने जबड़ों में दबाए हुए दिखाई दे रहा है। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। घायल पशुपालक को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के बाद उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, गरजिया गांव निवासी पशुपालक **कालूभाई परमार** रोज की तरह सुबह अपने पशुओं को चारा देने के लिए गए थे। इसी दौरान झाड़ियों में छिपा एक शेर अचानक उनके सामने आ गया और उन पर हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से कालूभाई संभल नहीं सके और शेर ने उनका हाथ अपने जबड़ों में दबा लिया। पशुपालक के शोर मचाने पर आसपास मौजूद ग्रामीण मौके पर पहुंचे और हिम्मत दिखाते हुए शेर को भगाने का प्रयास किया। ग्रामीणों के शोर-शराबे के बाद शेर वहां से जंगल की ओर भाग गया, जिससे कालूभाई की जान बच सकी।

घटना के तुरंत बाद ग्रामीणों ने घायल पशुपालक को प्राथमिक उपचार के बाद भावनगर के अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने बताया कि उनके हाथ में गंभीर चोटें आई हैं, लेकिन समय पर इलाज मिलने से उनकी स्थिति अब खतरे से बाहर है। अस्पताल में उनका उपचार जारी है और डॉक्टर लगातार स्वास्थ्य पर निगरानी रखे हुए हैं। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद वन विभाग की टीम भी सक्रिय हो गई। अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

वन विभाग के अनुसार, यह क्षेत्र वन्यजीवों की आवाजाही वाला इलाका है और यहां अक्सर शेरों की मौजूदगी देखी जाती है। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई गई है कि किसी कारणवश शेर उग्र हो गया, जिसके बाद उसने हमला किया। हालांकि हमले के वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही की जाएगी। वन विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि जंगल या वन क्षेत्र से सटे इलाकों में जाते समय विशेष सावधानी बरतें और यदि आसपास किसी वन्यजीव की गतिविधि दिखाई दे तो तुरंत विभाग को सूचना दें। अधिकारियों ने यह भी कहा कि लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रभावित क्षेत्र में निगरानी बढ़ा दी गई है तथा वन विभाग की टीमें लगातार गश्त कर रही हैं। घटना के बाद ग्रामीणों में भय का माहौल है और स्थानीय लोगों ने वन विभाग से क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी बढ़ाने की मांग की है।

गलाघोंटू बीमारी से बचाव के लिए पशुपालन विभाग ने शुरू किया विशेष टीकाकरण अभियान, घर-घर पहुंची टीम

अंकित कुमार

उत्तर प्रदेशः गाजीपुर जिले की जमानिया तहसील क्षेत्र में पशुओं को घातक संक्रामक बीमारियों से बचाने के लिए पशुपालन विभाग ने विशेष टीकाकरण अभियान चलाया। सोमवार को रायपुर गांव में विभाग की टीम ने घर-घर पहुंचकर गाय, भैंस और बछड़ों का गलाघोंटू (हेमोरैजिक सेप्टीसीमिया) रोग से बचाव के लिए टीकाकरण किया। बदलते मौसम और वर्षा ऋतु को देखते हुए विभाग ने पशुपालकों से समय पर टीकाकरण कराने की अपील की। पशु चिकित्साधिकारी के निर्देशन में मुख्य पशुधन प्रसार अधिकारी एवं उनकी टीम ने गांव का दौरा कर पशुपालकों के घरों पर बंधे मवेशियों को टीके लगाए। इस दौरान पशुपालकों को गलाघोंटू बीमारी के प्रति जागरूक भी किया गया और इसके लक्षणों एवं बचाव के उपायों की जानकारी दी गई।

टीम ने बताया कि गलाघोंटू एक अत्यंत संक्रामक एवं जानलेवा जीवाणु जनित बीमारी है, जिसका खतरा वर्षा ऋतु की शुरूआत में सबसे अधिक रहता है। इस बीमारी के प्रमुख लक्षणों में अचानक तेज बुखार आना, गले में सूजन होना, सांस लेने में परेशानी या घुर-घुर की आवाज आना तथा मुंह से अत्यधिक लार टपकना शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि इस बीमारी से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय समय पर टीकाकरण कराना है। पशुपालन विभाग ने पशुपालकों से अपील की कि वे अपने सभी मवेशियों का समय पर टीकाकरण कराएं, किसी भी पशु को टीकाकरण से वंचित न रखें तथा बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत नजदीकी पशु चिकित्सालय से संपर्क करें। साथ ही बीमार पशुओं को स्वस्थ पशुओं से अलग रखने की भी सलाह दी गई, ताकि संक्रमण फैलने से रोका जा सके। रायपुर गांव के ग्रामीणों और पशुपालकों ने विभाग द्वारा चलाए जा रहे डोर-टू-डोर टीकाकरण अभियान की सराहना की और टीम का सहयोग करते हुए अपने मवेशियों का टीकाकरण कराया। विभाग के अधिकारियों ने बताया कि तहसील क्षेत्र के अन्य गांवों में भी चरणबद्ध तरीके से शत-प्रतिशत पशुओं का टीकाकरण किया जाएगा, ताकि संभावित महामारी पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सके और पशुधन को सुरक्षित बनाया जा सके।

समाजसेवा और जनहित के लिए सक्रिय परसोतमभाई मुंगरा, किसानों की आवाज बने

सोजित्रा आशाबेन

गुजरातः राजकोट के एसपीजी श्री सरदार पटेल सेवादल के सदस्य तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़े समाजसेवी एवं न्याय एवं अधिकार समिति, गुजरात के प्रदेश अध्यक्ष श्री परसोतमभाई नाथाभाई मुंगरा पटेल समाजसेवा और जनहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। वे विभिन्न समितियों एवं संगठनों के माध्यम से निडर होकर जनता और गुजरात के किसानों की आवाज उठाते हैं। उनका कहना है कि यदि पाटीदार समाज के साथ कहीं भी अन्याय होता है, तो वे उसके खिलाफ भी पूरी निडरता से संघर्ष करेंगे। वे पुलिस मित्र संगठन से भी जुड़े हुए हैं और राजकोट जिला कोऑर्डिनेटर के रूप में कार्यरत हैं। इसके साथ ही वे भारत निविदा लाइन समाचार में राजकोट जिला क्राइम रिपोर्टर के रूप में भी अपनी सेवाएं दे रहे हैं तथा जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाते हैं।

श्री मुंगरा भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज बुलंद करते हैं तथा गुजरात में शराब, जुआ, गांजा, चरस, लूट, हत्या, गुंडागर्दी, असामाजिक तत्वों और जनता को परेशान करने वाले लोगों के खिलाफ लगातार संघर्ष करते हैं। वे किसानों के साथ हाईटेंशन बिजली लाइन के मुद्दे पर हो रहे अन्याय के खिलाफ भी मजबूती से आवाज उठाते हैं। इसके अलावा, बेमौसम बारिश से किसानों को हुए नुकसान का उचित मुआवजा मिले, इसके लिए भी वे लगातार किसानों के साथ खड़े रहते हैं। शहरी क्षेत्रों में सड़क, पेयजल, सफाई, सीसीटीवी कैमरे, स्ट्रीट लाइट, भूमिगत सीवर जैसी मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं को लेकर भी वे संबंधित सरकारी विभागों के समक्ष लगातार आवाज उठाते हैं। हाईवे अथवा शहर में सड़क दुर्घटना होने पर वे तत्काल 108 एम्बुलेंस सेवा को सूचना देकर घायलों को समय पर सहायता पहुंचाने का प्रयास करते हैं। यदि कहीं सड़क पर गड्ढे हो जाते हैं तो उनके मरम्मत के लिए भी संबंधित विभाग को अवगत कराते हैं।

वे गरीब एवं जरूरतमंद लोगों की सहायता करने के साथ-साथ घायल पशु-पक्षियों के उपचार के लिए भी हर संभव सहयोग करते हैं। वर्तमान में वे एसपीजी श्री सरदार पटेल सेवादल से जुड़े हुए हैं। उनका उद्देश्य पाटीदार समाज के संगठन को मजबूत बनाना तथा समाज के गरीब, जरूरतमंद और असहाय लोगों की सहायता करना है। उनका मानना है कि समाज के लिए उपयोगी कार्य करने हेतु अधिक से अधिक लोगों को इस संगठन से जुड़ना चाहिए। उन्होंने बताया कि श्री सरदार पटेल सेवादल मेहसाणा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लालजीभाई पटेल पाटीदार समाज के प्रति गहरा प्रेम और समर्पण रखते हैं। वे नियमित रूप से रक्तदान शिविर आयोजित कर जरूरतमंद लोगों की सहायता करते हैं। इस संगठन से जुड़कर अनेक लोगों को सामाजिक एवं आर्थिक लाभ प्राप्त हुआ है। उनका मानना है कि वर्तमान समय में पाटीदार समाज के लिए संकट की घड़ी में इस प्रकार सहयोग करने वाली संस्थाएं बहुत कम हैं। यह संस्था वास्तव में निराश्रित और जरूरतमंद लोगों के लिए सहारा समान है।

उन्होंने पाटीदार समाज से अपील करते हुए कहा कि वे स्वयं, अपने परिवार तथा अपने रिश्तेदारों को भी एसपीजी श्री सरदार पटेल सेवादल का सदस्य बनाएं, ताकि आवश्यकता पड़ने पर संगठन की सहायता प्राप्त हो सके। एसपीजी की आजीवन सदस्यता शुल्क मात्र 1200 है। उन्होंने कहा कि वे स्वयं भी इस संगठन के आजीवन सदस्य हैं। अंत में न्याय एवं अधिकार समिति, गुजरात के प्रदेश अध्यक्ष श्री परसोतमभाई एन. मुंगरा ने सभी से आह्वान किया कि वे राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लालजीभाई पटेल मेहसाणा के नेतृत्व में श्री सरदार पटेल सेवादल (SPG) से जुड़कर पाटीदार समाज की सेवा करें और समाज को मजबूत बनाने में अपना योगदान दें।

खेत के कुएं में मिला वयस्क नर भालू का क्षत-विक्षत शव, शिकार की आशंका से मची सनसनी

अशोक महूले

मध्य प्रदेशः जिले के वन परिक्षेत्र खैरलांजी सर्किल अंतर्गत ग्राम भंडारबोड़ी के पिपरटोला में उस समय सनसनी फैल गई जब खेत के कुएं से एक वयस्क नर भालू का क्षत-विक्षत शव बरामद हुआ। प्रारंभिक जांच में वन विभाग ने शिकार की आशंका जताई है और वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह किसान जियालाल धुर्वे अपने खेत पहुंचे थे। इसी दौरान उन्होंने खेत में बने कुएं में किसी मृत जीव के अवशेष देखे और तत्काल इसकी सूचना वन विभाग को दी। सूचना मिलते ही वन परिक्षेत्र अधिकारी डी.सी. वासनिक अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच प्रारंभ की। जांच के दौरान पाया गया कि कुएं में पड़े अवशेष एक वयस्क नर भालू के हैं। हैरान करने वाली बात यह रही कि भालू के शरीर के कई टुकड़े कर उसे कुएं में फेंका गया था। सूचना पर वरिष्ठ अधिकारी एसडीओ, डीएफओ एवं सीसीएफ को भी अवगत कराया गया,

जिसके बाद डॉग स्क्वॉड टीम को मौके पर बुलाकर साक्ष्य जुटाए गए।

वन विभाग की जांच में यह भी सामने आया कि भालू का सिर धड़ से अलग था, चारों पैर काट दिए गए थे तथा आगे के दोनों पैरों के नाखून भी गायब थे। शव लगभग छह से सात हिस्सों में मिला, जिससे आशंका जताई जा रही है कि शिकार के बाद साक्ष्य मिटाने की कोशिश की गई है। अधिकारियों के अनुसार शव दो से तीन दिन पुराना प्रतीत हो रहा है। वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में मौके पर पंचनामा कार्रवाई पूरी की गई। इसके बाद पशु चिकित्सकों द्वारा शव का पोस्टमार्टम कराया गया और नियमानुसार वन्यजीव का अंतिम संस्कार किया गया। वन विभाग ने अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वन विभाग ने स्पष्ट किया है कि इस गंभीर मामले में दोषियों की पहचान कर उन्हें जल्द गिरफ्तार करने के प्रयास तेज कर दिए गए हैं। घटना के बाद क्षेत्र में वन्यजीव सुरक्षा को लेकर चिंता का माहौल बना हुआ है।

प्रांतीय जोनल कमेटी के को-कन्वीनर बने उमापति पांडेय, अधिवक्ताओं ने किया सम्मानित

इंद्रेश कुमार पांडे

उत्तर प्रदेशः सोनभद्र में दी सोनभद्र टैक्स बार एसोसिएशन के पूर्व सदस्य एवं वरिष्ठ अधिवक्ता श्री उमापति पांडेय को उत्तर प्रदेश कर अधिवक्ता संगठन पंजीकृत, लखनऊ उपकास की 67वीं प्रांतीय कार्यकारिणी बैठक, जो विगत दिनों आजमगढ़ में आयोजित हुई थी, में उपकास के प्रांतीय अध्यक्ष आर. पी. यादव द्वारा प्रांतीय जोनल कमेटी का को-कन्वीनर मनोनीत किए जाने पर आज दी सोनभद्र टैक्स बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा नगर के एक होटल में उनका भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर बार के पदाधिकारियों एवं अधिवक्ताओं ने श्री पांडेय को पुष्पमालाओं एवं अंगवस्त्र से सम्मानित करते हुए उन्हें नई

जिम्मेदारी के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। वक्ताओं ने कहा कि श्री उमापति पांडेय का दीर्घकालीन अनुभव, संगठन के प्रति समर्पण तथा अधिवक्ताओं के हितों के लिए उनका निरंतर योगदान उपकास को और अधिक सशक्त एवं प्रभावी बनाएगा।

अपने सम्मान से अभिभूत श्री उमापति पांडेय ने उपकास के प्रांतीय नेतृत्व, विशेष रूप से प्रांतीय अध्यक्ष श्री आर. पी. यादव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन द्वारा सौंपे गए दायित्व का वे पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे तथा प्रदेश भर के कर अधिवक्ताओं के हितों की रक्षा एवं संगठन को मजबूत बनाने के लिए सदैव सक्रिय रहेंगे। कार्यक्रम का वातावरण आत्मीय एवं उत्साहपूर्ण रहा तथा उपस्थित सभी अधिवक्ताओं ने श्री पांडेय के उज्ज्वल कार्यकाल की कामना करते हुए उन्हें पुन शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। इस अवसर पर उपकास के प्रांतीय महामंत्री राकेश शरण मिश्र दी सोनभद्र टैक्स बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेश देव पाण्डेय, उपाध्यक्ष सुरेंद्र केशरी, महामंत्री फैजान अंसारी, सहसचिव प्रदीप धर द्विवेदी वी के रावत, प्रवक्ता राकेश पति तिवारी रमेश केशरी,जनार्दन पांडेय प्रसिद्ध नाथ सोनी,चेयरमैन एल्डर कमेटी कृष्णकांत तिवारी, सदस्य एल्डर कमेटी अधिवक्ता सतीश पांडेय मुख्य रूप से उपस्थित थे।

कॉपर कंपनी के गेट पर ट्रांसफॉर्मर में धमाका, भीषण आग से कई बाइकें जलकर खाक

माहेश्वरी कांजीभाई नारणभाई

गुजरातः कच्छ मुंद्रा तहसील के शिराचा क्षेत्र में स्थित कच्छ कॉपर कंपनी के मुख्य गेट के बाहर सोमवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक विद्युत ट्रांसफॉर्मर में अचानक जोरदार धमाका होने के बाद भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और ट्रांसफॉर्मर के पास खड़ी कई मोटरसाइकिलों को अपनी चपेट में ले लिया। घटना के बाद मौके पर मौजूद कर्मचारियों और स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रांसफॉर्मर से पहले तेज आवाज के साथ विस्फोट हुआ, जिसके बाद उसमें से आग की ऊंची लपटें उठने लगीं। आग इतनी तेजी से फैली कि ट्रांसफॉर्मर के आसपास पार्क की गई कई बाइकें जलकर पूरी तरह खाक हो गईं। घटना की सूचना तत्काल दमकल विभाग और संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को दी गई।

सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद

आग पर काबू पाया गया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी भी प्रकार की जनहानि या गंभीर चोट की कोई सूचना सामने नहीं आई है। हालांकि, आग के कारण भारी आर्थिक नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है।

प्राथमिक जानकारी के अनुसार, ट्रांसफॉर्मर में तकनीकी खराबी या ओवरलोडिंग के कारण विस्फोट होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। हालांकि, घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए संबंधित विभाग द्वारा जांच शुरू कर दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही विस्फोट और आग लगने के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा।

घटना के बाद सुरक्षा के मद्देनजर आसपास के क्षेत्र को कुछ समय के लिए खाली कराया गया तथा विद्युत आपूर्ति भी एहतियातन बंद कर दी गई थी। स्थानीय प्रशासन और कंपनी प्रबंधन द्वारा स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। गौरतलब है कि औद्योगिक क्षेत्रों में इस प्रकार की घटनाएं सुरक्षा व्यवस्था और विद्युत उपकरणों के नियमित रखरखाव की आवश्यकता को एक बार फिर उजागर करती हैं। स्थानीय लोगों ने भी प्रशासन से मांग की है कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक सुरक्षा उपायों को और मजबूत किया जाए।

जगन गुर्जर का अंतिम संस्कार भारी पुलिस सुरक्षा में, बेटे ने जेल प्रशासन पर हत्या के आरोप लगाए

सांवर मल गादरी

राजस्थानः धौलपुर जिले में जगन गुर्जर का अंतिम संस्कार शुक्रवार को भारी पुलिस सुरक्षा के बीच शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया गया। पूरे क्षेत्र में किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने के लिए प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे और अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई थी। अंतिम संस्कार के दौरान मृतक के परिजनों और रिश्तेदारों को पुलिस सुरक्षा में मौके पर लाया गया। इस दौरान उनके भाई लाल सिंह, पान सिंह और पप्पू भी मौजूद रहे।

अंतिम संस्कार की सभी रस्में पुलिस निगरानी में पूरी कराई गईं ताकि कानून-व्यवस्था बनी रहे। सबसे अहम घटना तब सामने आई जब मृतक के बेटे आशाराम ने अपने पिता को मुखाग्नि दी। अंतिम संस्कार के बाद आशाराम ने मीडिया और मौजूद लोगों के सामने गंभीर आरोप लगाए।

उन्होंने जेल प्रशासन पर उनके पिता की साजिश के तहत हत्या कराने का आरोप लगाया और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। आशाराम ने कहा कि परिवार की मांगों को जल्द से जल्द पूरा किया जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। उनके आरोपों के बाद इलाके में तनाव की स्थिति को देखते हुए पुलिस और प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा।

अधिवक्ता पर हमले के विरोध में वकीलों का तहसील तक प्रदर्शन, गिरफ्तारी की मांग हुई तेज

देवेश यादव

उत्तर प्रदेशः महोबा जनपद महोबा में साथी अधिवक्ता पर हुए जानलेवा हमले के विरोध में अधिवक्ताओं में भारी आक्रोश देखने को मिला। घटना के विरोध में जिला अधिवक्ता समिति के आह्वान पर अधिवक्ताओं ने कचहरी परिसर से तहसील तक पैदल विरोध मार्च निकालते हुए जोरदार प्रदर्शन किया और आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की।प्रदर्शन के दौरान अधिवक्ताओं ने कहा कि एक साथी अधिवक्ता पर जानलेवा हमला अत्यंत निंदनीय एवं गंभीर घटना है, लेकिन इसके बावजूद अब तक आरोपियों की गिरफ्तारी न होना प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल खड़े करता है। अधिवक्ताओं ने आरोप लगाया कि घटना के बाद से ही वे न्याय की मांग कर रहे हैं, लेकिन पुलिस की ओर से ठोस कार्रवाई नहीं की गई है, जिससे अधिवक्ता समुदाय में गहरा असंतोष और रोष व्याप्त है।

अधिवक्ताओं ने नारेबाजी करते हुए कहा कि यदि शीघ्र ही आरोपियों को गिरफ्तार कर कठोर कार्रवाई नहीं की गई तो वे अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार करने को बाध्य होंगे। विरोध प्रदर्शन के दौरान अधिवक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि न्याय व्यवस्था की रक्षा के लिए अधिवक्ता समुदाय सदैव अग्रिम पंक्ति में रहता है, ऐसे में अधिवक्ताओं पर हमले किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किए जा सकते। जिला अधिवक्ता समिति के पदाधिकारियों ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि दोषियों की जल्द गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए तथा मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए। उन्होंने यह भी कहा कि यदि पुलिस-प्रशासन द्वारा लापरवाही बरती गई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। विरोध मार्च के दौरान बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे और कचहरी से तहसील तक पैदल मार्च करते हुए न्याय की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। पूरे मार्ग में अधिवक्ताओं ने शांतिपूर्ण तरीके से विरोध दर्ज कराया, लेकिन माहौल में गहरा आक्रोश स्पष्ट दिखाई दिया। अधिवक्ताओं ने यह भी कहा कि अधिवक्ता समाज पर हमला न्याय व्यवस्था पर हमला है, जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अंत में अधिवक्ता समिति ने प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की मांग दोहराई और चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को व्यापक स्तर पर आगे बढ़ाया जाएगा।

मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने शुरू किया वृक्षारोपण अभियान, पौधों की सुरक्षा के लिए लगाए ट्री गार्ड

सहीहुरहमान

राजस्थानः टोंक मुस्लिम राष्ट्रीय मंच द्वारा देशव्यापी वृक्षारोपण अभियान के तहत मंगलवार को टोंक जिला मुख्यालय के बाहीर क्षेत्र में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। अभियान का संचालन मंच के संरक्षक डॉ. इंद्रेश कुमार के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। राजस्थान प्रभारी एवं राष्ट्रीय संयोजक अबू बकर नकवी के निर्देश पर प्रदेशभर के जिलों और ब्लॉक स्तर पर पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से वृक्षारोपण किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए तथा उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक पौधे के चारों ओर लोहे के ट्री गार्ड लगाए गए। मंच पदाधिकारियों ने बताया कि पौधों को पशुओं और अन्य नुकसान से बचाने के लिए यह व्यवस्था की गई है, ताकि भविष्य में ये पेड़ बड़े होकर राहगीरों को छाया तथा पक्षियों और अन्य जीव-जंतुओं को आश्रय प्रदान कर सकें। इस अवसर पर अजमेर संभाग के सह-संयोजक अशरफ कलंदर, जिला संयोजक शकील पहलवान, सह-संयोजक ईद मोहम्मद पंजाबी, जुनैद अहमद, अब्दुल वहीद, मोहम्मद हसीन, आबिद अली, इस्लाम मोहम्मद, अब्दुल लतीफ नकवी, मोहम्मद रफीक, मोहम्मद सिद्दीकी सहित मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान भी किया गया।

हाईवे पर भीषण सड़क हादसा, ट्रैक्टर-ट्रॉली में पीछे से घुसे ट्रक से दो युवक गंभीर घायल

अभय

उत्तर प्रदेशः शाहजहांपुर लखनऊ-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर पूर्वी भक्सी तिराहे के पास गुरुवार दोपहर एक भीषण सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार और अनियंत्रित ट्रक ने ईंटों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी, जिससे दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में ट्रैक्टर चालक रिंकू (निवासी बिहारीपुर) और रोहित (निवासी मित्रपुर बरुआ) ट्रॉली के नीचे दब गए और गंभीर चोटें आईं। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों को बाहर निकाला और इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया। प्राथमिक

उपचार के बाद दोनों की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।

दुर्घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। हादसे के चलते हाईवे पर करीब 30 मिनट तक यातायात बाधित रहा, जिससे राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सूचना मिलने पर पुलिस और एनएचएआई की टीम मौके पर पहुंची और जेसीबी की मदद से क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर यातायात को सुचारु कराया। सीओ इशिका सिंह ने बताया कि ट्रक और ट्रैक्टर-ट्रॉली को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। उन्होंने कहा कि तहरीर मिलने के बाद मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। वहीं हादसे के बाद क्षेत्र में एक बार फिर पूर्वी भक्सी तिराहे पर प्रस्तावित ओवरब्रिज निर्माण की मांग तेज हो गई है। कांग्रेस नेता जाने आलम ने प्रशासन से तत्काल निर्माण कार्य शुरू कराने की मांग करते हुए कहा कि स्वीकृति के बावजूद कार्य शुरू नहीं होने से आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। उन्होंने बताया कि इससे पहले भी इसी स्थान पर एक युवक की जान जा चुकी है।

साइबर फ्रॉड के शिकार पीड़ित को मिली राहत, पुलिस ने लौटाए 1.51 लाख रुपये

राकेश कुमार शर्मा

उत्तर प्रदेशः सहारनपुर जनपद सहारनपुर की थाना सदर बाजार साइबर हेल्पडेस्क पुलिस टीम ने ऑनलाइन साइबर ठगी के एक मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए पीड़ित के खाते में ठगी गई पूरी 1,51,507 रुपये की धनराशि वापस कराकर बड़ी सफलता हासिल की है। पीड़ित ने धनराशि वापस मिलने पर सहारनपुर पुलिस और साइबर हेल्पडेस्क टीम का आभार व्यक्त किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार 17 फरवरी 2026 को रोहित विहार कॉलोनी, हसनपुर चुंगी निवासी नरेश कुमार पुत्र धारा सिंह ने थाना सदर बाजार पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई थी कि एक अज्ञात व्यक्ति ने वीडियो कॉल के माध्यम से उनके क्रेडिट कार्ड संबंधी जानकारी हासिल कर ऑनलाइन साइबर फ्रॉड करते हुए उनके खाते

से कुल 1,51,507 रुपये की रकम ठग ली।

इस संबंध में थाना सदर बाजार साइबर हेल्पडेस्क पर शिकायत संख्या 33102260037499 दर्ज की गई। मामले को गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहारनपुर के निर्देशन में चलाए जा रहे साइबर अपराध रोकथाम अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक नगर एवं नोडल अधिकारी साइबर क्राइम, क्षेत्राधिकारी साइबर क्राइम के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक चन्द्रसेन सैनी के नेतृत्व में साइबर हेल्पडेस्क टीम ने त्वरित कार्रवाई शुरू की। पुलिस टीम ने तकनीकी जांच और संबंधित बैंकिंग प्रक्रियाओं के माध्यम से साइबर ठगी की गई पूरी धनराशि को होल्ड करवाकर पीड़ित के खाते में वापस कराया। पुलिस की सक्रियता के चलते पीड़ित को उसकी पूरी रकम वापस मिल गई। इस कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक चन्द्रसेन सैनी, निरीक्षक आनंद पोसवाल, उपनिरीक्षक सुरेन्द्र शर्मा तथा कंप्यूटर ऑपरेटर गौरव मठान की विशेष भूमिका रही। सहारनपुर पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी अज्ञात व्यक्ति के साथ बैंक खाते, ओटीपी, क्रेडिट कार्ड या अन्य गोपनीय जानकारी साझा न करें।

संक्षिप्त

मैक्सिको इंग्लैंड मैच ने दर्शक संख्या में अमेरिका में बनाया रिकॉर्ड

न्यूयॉर्क, एजेंसी। फॉक्स नेटवर्क के अनुसार विश्व कप के राउंड 16 में इंग्लैंड और मैक्सिको के बीच मुकाबला अमेरिकी टीम के बिना खेला गया ऐसा विश्व कप मैच बन गया है, जिसे अमेरिका में अंग्रेजी प्रसारण के माध्यम से सबसे अधिक दर्शकों ने देखा। नेटवर्क ने बुधवार को बताया कि रविवार रात मैक्सिको सिटी में औसतन 2.17 करोड़ (21.7 मिलियन) से अधिक दर्शकों ने प्रसारण देखा। इसने 2022 में अर्जेंटीना और फ्रांस के बीच खेले गए फाइनल का पिछला रिकॉर्ड तोड़ दिया जिसे 1.67 करोड़ (16.7 मिलियन) दर्शकों ने देखा था। फॉक्स ने बताया कि रात सवा दस बजे से साढ़े दस बजे के बीच दर्शकों की संख्या 2.57 करोड़ (25.7 मिलियन) से अधिक पहुंच गई। इसके बावजूद अगले दिन खेला गया अमेरिका-बेल्जियम मुकाबला अब भी तीन करोड़ (30 मिलियन) दर्शकों के साथ सबसे अधिक देखा गया विश्व कप मैच बना हुआ है।

चेल्सी ने 19 वर्षीय जियोवानी क्वेंडा को किया साइन

लंदन, एजेंसी। इंग्लिश प्रीमियर लीग क्लब चेल्सी ने पुर्तगाल के युवा स्टार जियोवानी क्वेंडा को स्पोर्टिंग लिस्बन से साइन करने की आधिकारिक घोषणा कर दी है। क्लब ने 19 वर्षीय खिलाड़ी के साथ 2034 तक का लंबी अवधि का अनुबंध किया है। इसके साथ ही चेल्सी ने अपनी अकादमी से निकले युवा फुटबॉल खिलाड़ी जेसी डेरी के साथ भी 2032 तक नया करार किया है। जियोवानी क्वेंडा को यूरोप के सबसे प्रतिभाशाली युवा फुटबॉलरों में गिना जाता है। उन्होंने पिछले सीजन स्पोर्टिंग लिस्बन के लिए शानदार प्रदर्शन किया और टीम को पुर्तगाली लीग तथा घरेलू कप का डबल खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई। उनके बेहतरीन खेल के लिए उन्हें 2025 का 'प्राइमेरा लीगा यंग प्लेयर ऑफ द सीजन' भी चुना गया था। क्वेंडा पिछले दो सीजन से स्पोर्टिंग की पहली टीम के नियमित खिलाड़ी रहे हैं। वह अटैकिंग विंगर और विंग-बैक दोनों भूमिकाओं में खेलने की क्षमता रखते हैं।

60वीं दिल्ली स्टेट सब जूनियर स्विमिंग चैंपियनशिप 11 और 12 जुलाई को

नई दिल्ली, एजेंसी। दो दिवसीय 60वीं सब जूनियर स्विमिंग चैंपियनशिप का आयोजन 11 और 12 जुलाई तक स्विमिंग परिसर गवर्नमेंट स्कूल सी ब्लॉक मंगोलपुरी दिल्ली पर किया जाएगा। दिल्ली स्विमिंग एसोसिएशन की एडहाक कमेटी के अध्यक्ष एस आर साहू के अनुसार खिलाड़ियों को अपने आयु प्रमाण पत्र के साथ यूएफआई का आईडी भी लाना होगा। एस आर साहू के अनुसार चैंपियनशिप में सभी ग्रुपों के लड़के लड़कियां स्विमर भाग लेंगे। चैंपियनशिप में फ्री स्टाइल, बैक स्ट्रोक, ब्रेस्ट स्ट्रोक, बटरफ्लाई, आई एम मेडल तथा फ्री स्टाइल रिले स्पर्धाओं का आयोजन किया जाएगा।

एकमात्र महिला टेस्टः ऐतिहासिक मैच के लिए तैयार लॉर्ड्स

शानदार रिकॉर्ड के साथ इंग्लैंड को टक्कर देगा भारत

- भारत और इंग्लैंड की महिला टीमों के बीच अब तक 15 टेस्ट मैच खेले गए हैं, जिसमें टीम इंडिया ने 3 मुकाबले जीते हैं, जबकि 1 मैच इंग्लैंड के नाम रहा

लंदन, एजेंसी।

लॉर्ड्स में शुक्रवार से पहले महिला टेस्ट मैच की शुरुआत होने जा रही है, जिसमें भारत और इंग्लैंड की टीमें आमने-सामने होंगी। यह मुकाबला सिर्फ नतीजे से कहीं ज्यादा अहमियत रखता है।

इस मैदान पर पुरुषों के पहले टेस्ट मैच को हुए 140 से ज्यादा वर्ष बीत चुके हैं, और अब आखिरकार महिलाओं का खेल 'होम ऑफ क्रिकेट' में होने जा रहा है। इसे खेल में ज्यादा बराबरी लाने की दिशा में एक और अहम कदम माना जा रहा है। इंग्लैंड की टीम सबसे लंबे फॉर्मेट (टेस्ट) में वापसी कर रही है और पिछले दशक में मिली सिर्फ एक टेस्ट जीत के निराशाजनक रिकॉर्ड को सुधारना चाहेगी। इस साल की शुरुआत में मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर ऑस्ट्रेलिया के हाथों उन्हें करारी हार का सामना करना पड़ा था, और घरेलू सरजमीं पर टी20 वर्ल्ड कप फाइनल में मिली हार की यादें भी अभी ताजा हैं।

इंग्लिश कप्तान नैट साइवर-ब्रंट को उम्मीद होगी कि रेड-बॉल क्रिकेट में बदलाव से टीम को फिर से लय हासिल करने का मौका मिलेगा। टीम ने कभी-कभी शानदार खेल दिखाया है, लेकिन बड़े मौकों पर लगातार अच्छा प्रदर्शन करने में संघर्ष किया है।

भारत भी इसी तरह के इरादे के साथ आया है, जिसका टी20 वर्ल्ड कप का सफर ग्रुप स्टेज में ही निराशाजनक रूप से खत्म हो गया था। भले ही हरमनप्रीत कौर की टीम ने हाल के वर्षों में इस फॉर्मेट में बहुत कम मैच खेले हैं, लेकिन जब भी मौका मिला, उन्होंने प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

भारत और इंग्लैंड की महिला टीमों के बीच अब तक 15 टेस्ट मैच खेले गए हैं, जिसमें टीम इंडिया ने 3 मुकाबले जीते हैं, जबकि 1 मैच इंग्लैंड के नाम रहा। शेष 11 मुकाबले ड्रॉ रहे हैं। साल 2024 में चेन्नई में साउथ अफ्रीका पर शानदार जीत ने रेड-बॉल क्रिकेट में भारत की मजबूती को फिर से साबित किया था, हालांकि इस साल की शुरुआत में पर्थ में पिंक-बॉल टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने उनके अजेय क्रम को रोक दिया था।

भारत ने टीम में नए चेहरों को शामिल किया है। हरलीन देओल, लेफ्ट-आर्म स्पिनर एन श्री चरणी और तेज गेंदबाज नंदिनी शर्मा टेस्ट में डेब्यू करने की कतार में हैं, जबकि सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर सयाली सतघरे टीम को जरूरी संतुलन देती हैं।

पहले दिन की सुबह हालात का जायजा लेने के बाद चयन के फैसले अहम साबित हो सकते हैं। इंग्लैंड के पास लॉरेन फिलर और इजी वोंग के रूप में तेज गति वाले अच्छे विकल्प हैं, जो लॉर्ड्स की पिच से मिलने वाली किसी भी मदद का फायदा उठाने में सक्षम हैं। टैमी ब्यूमोंट, हीथर नाइट, मैया बाउचियर और वर्ल्ड-क्लास स्पिनर सोफी एक्लेस्टोन जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की मौजूदगी नए खिलाड़ियों के आने के बावजूद मेजबान टीम को एक मजबूत आधार देती हैं।

ओपनर प्रतिका रावल के चोटिल होने से भारत की तैयारियों को झटका लगा है; जिन्हें इंडिया ए के मैच के दौरान घुटने में चोट लगी थी। प्रिया पुनिया को टीम में शामिल किया गया है, जबकि बैटिंग ऑर्डर में जगह बनाने की होड़ अभी भी जारी है, जिसमें शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिगेज, यास्तिका भाटिया और हरलीन देओल सभी शुरुआती प्लेइंग इलेवन में जगह बनाने के लिए मुकाबला कर रही हैं।

टीमें इस प्रकार

भारत की टीम: स्मृति मंधाना, यास्तिका भाटिया, हरलीन देओल, ऋचा घोष (विकेटकीपर), प्रिया पुनिया, जेमिमा रोड्रिग्स, हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्नेह राणा, सायली सतघरे, शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, क्रांति गौड़, रेणुका सिंह, नंदिनी शर्मा, श्री चरणी।

इंग्लैंड की टीम: नैट साइवर-ब्रंट (कप्तान), टैमी ब्यूमोंट, लॉरेन बेल, मैया बाउचियर, ऐलिस कैपसी, टिली कॉर्टीन-कोलमैन, सोफी एक्लेस्टोन, लॉरेन फाइलर, एमी जोन्स (विकेटकीपर), हीथर नाइट, एम्मा लैम्ब, ग्रेस पॉट्स, एली थ्रेलकेल्ड, मैडी विलियर्स, इजी वोंग।

'पर्सनैलिटी राइट्स' मामले में अभिषेक शर्मा को राहत

- आपत्तिजनक पोस्ट और लिंक हटाने को हाईकोर्ट पारित करेगा अंतरिम आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली हाई कोर्ट ने भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को पर्सनैलिटी राइट्स मामले में बड़ी राहत दी है। कोर्ट का कहना है कि वह अभिषेक के व्यक्तित्व का दुरुपयोग करने वाली विभिन्न आपत्तिजनक पोस्ट और लिंक को हटाने के लिए अंतरिम आदेश पारित करेगा।

हाई कोर्ट ने इस मामले को लेकर समन जारी किया है। कोर्ट का कहना है कि वह अभिषेक शर्मा द्वारा अपने पर्सनैलिटी राइट्स के संरक्षण की मांग को लेकर दायर याचिका पर अंतरिम आदेश पारित करेगा, जिसमें अभिषेक के व्यक्तित्व का दुरुपयोग करने वाली विभिन्न आपत्तिजनक पोस्ट और लिंक को हटाने का निर्देश दिया जाएगा। यूआरएल की जानकारी देने के लिए अभिषेक के वकील ने अतिरिक्त हलफनामा दायर किया।

उन्होंने कहा कि कुछ पोस्ट को हटाया गया है, लेकिन अभी भी फेसबुक और इंस्टाग्राम पर दो सोशल मीडिया पोस्ट मौजूद हैं, जिनमें अभिषेक के लिए अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया गया है। अभिषेक के वकील ने बताया कि एमेजन और फ्लिपकार्ट पर भी क्रिकेटर की इजाजत के बिना कमर्शियल मकसद से उनकी छवि का यूज किया गया है, जिन्हें अब तक हटाया नहीं गया है। इस मामले में मेटा और अमेजन ने कहा कि वह अभिषेक के छवि को खराब करने वाले पोस्टों को अपने प्लेटफॉर्म से हटा देंगे।

मामले को लेकर अगली सुनवाई 17 नवंबर को होगी। गौरतलब है कि मामले की पहली सुनवाई के दौरान अभिषेक शर्मा द्वारा फाइल की गई याचिका में उल्लंघन करने वाले यूआरएल के स्क्रीनशॉट नहीं लगाए थे, जिसके चलते सुनवाई को टाल दिया गया था।

भारत ने अंडर-23 महिला कैटेगरी में नौ मेडल पक्के किए

जकार्ता, एजेंसी। एशियाई अंडर-19 और अंडर-23 बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भारत की अंडर -23 महिला बॉक्सरों ने शानदार प्रदर्शन किया। बुधवार को जकार्ता में दोपहर और शाम के सेशन में हुए क्वार्टर फाइनल में बेहतरीन खेल दिखाते हुए नौ बॉक्सरों ने सेमीफाइनल में जगह बनाई और मेडल पक्के किए। दोपहर के सेशन में, तनु (51किग्रा) ने थाईलैंड की केवालिन नोरासिंग के खिलाफ 5:0 से एकतरफा जीत दर्ज की, जबकि निशा (54) ने कजाकिस्तान की आलियाक्सर सिम्बैट के खिलाफ 5:0 से शानदार जीत हासिल की। 48किग्रा के मुकाबले में निधि ने कड़ी टक्कर दी, लेकिन कजाकिस्तान की गुलनाज़ बुरीबायेवा से 3:2 के 'स्प्लिट डिसीजन' में करीबी अंतर से हार गईं।

जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हुए लिटन दास

नई दिल्ली, एजेंसी।

जिम्बाब्वे के खिलाफ जारी तीन मैचों की वनडे सीरीज के बीच में बांग्लादेश को बड़ा झटका लगा है। टीम के स्टार बल्लेबाज लिटन दास चोट के चलते पूरी वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। लिटन समय रहते अपने हैमस्ट्रिंग इंजरी से उबरने में नाकाम रहे हैं, जिसके कारण वह जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाली सीरीज को मिस करेंगे।

बाएं हाथ के बल्लेबाज परवेज हुसैन को लिटन के रिप्लेसमेंट के तौर पर टीम में शामिल किया गया है। लिटन अपना रिहैब पूरा करने के लिए ढाका लौटेंगे।

बांग्लादेश टीम के फिजियो बैजेदुल इस्लाम खान ने कहा, "लिटन पहले वनडे में नहीं खेल पाए थे और अभी मैच खेलने के लिए फिट नहीं हैं। आज उनका फिटनेस टेस्ट हुआ और नतीजा संतोषजनक नहीं था। लगातार दो वनडे होने वाले हैं और हमें नहीं लगता है कि वह सीरीज में कोई भूमिका निभाने के लिए काफी प्रगति करेंगे।"

बांग्लादेश को पहले वनडे मुकाबले में जिम्बाब्वे के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। पहले बल्लेबाजी करते हुए जिम्बाब्वे की पूरी टीम 141 रन बनाकर ऑलआउट हो गई थी।

द हंड्रेडः 'सदर्न ब्रेव' ने हेमांग बदानी को हेड कोच चुना

असिस्टेंट बॉलिंग कोच की भूमिका संभालेंगे मोहित शर्मा

- स्कॉटलैंड की पुरुष टीम के पूर्व हेड कोच शेन बर्गर पुरुषों के बॉलिंग प्रोग्राम की जिम्मेदारी संभालेंगे।

लंदन, एजेंसी।

साउथैम्पटन की टीम 'सदर्न ब्रेव' ने पूर्व भारतीय क्रिकेटर हेमांग बदानी को पुरुषों की टीम का हेड कोच नियुक्त किया है, जबकि जोनाथन बैटी 'द हंड्रेड' के 2026 सीजन के दौरान महिला टीम की जिम्मेदारी संभालेंगे। इस टीम ने साल 2021 में पुरुषों का खिताब और 2023 में महिलाओं की ट्रॉफी अपने नाम की थी।

स्थानीय मीडिया के अनुसार, बदानी के साथ इंग्लैंड के पूर्व स्टार इयान बेल असिस्टेंट कोच के तौर पर काम करेंगे। बदानी ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) को कोचिंग दी थी।

स्कॉटलैंड की पुरुष टीम के पूर्व हेड कोच शेन बर्गर पुरुषों के बॉलिंग प्रोग्राम की जिम्मेदारी संभालेंगे। बर्गर के पास कोचिंग का काफी अनुभव है; स्कॉटलैंड की जिम्मेदारी संभालने से पहले उन्होंने साउथ अफ्रीका में केजेडएन इनलैंड और डॉल्फिन्स के साथ काम किया था और अभी वह हैम्पशायर क्रिकेट के साथ काम कर रहे हैं। उन्हें भारत के पूर्व इंटरनेशनल खिलाड़ी मोहित शर्मा का सहयोग मिलेगा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले मोहित शर्मा को आईपीएल में डेथ बॉलिंग का विशेषज्ञ माना जाता था।

आयरलैंड के पूर्व खिलाड़ी जॉन मूनी बतौर फील्डिंग पुरुषों की कोचिंग टीम का हिस्सा बनेंगे। वह टीम को फील्डिंग के सभी क्षेत्रों में लगातार उच्च स्तर बनाए रखने में मदद करने के लिए जिम्मेदार होंगे।

महिला कोचिंग टीम का नेतृत्व बैटी करें। आन्या श्रबसोल असिस्टेंट कोच की भूमिका में होंगी, जबकि थारिंदु परेरा टीम के बैटिंग प्रोग्राम की देखरेख करेंगे।

परेरा घरेलू और इंटरनेशनल टीमों के साथ कोचिंग की भूमिकाएं निभा चुके हैं। उन्होंने श्रीलंकाई महिला टीम, वारविकशायर काउंटी क्रिकेट क्लब, एडिलेड स्ट्राइकर्स और साउथ ऑस्ट्रेलिया की वेस्ट एंड रेडबैक्स के साथ काम किया है।

खबरों के अनुसार, इंग्लैंड की पूर्व इंटरनेशनल खिलाड़ी जेनी गन फील्डिंग कोच के तौर पर महिला कोचिंग टीम का हिस्सा बनेंगी। गन टीम के साथ मिलकर उनके निर्णय लेने की क्षमता, एथलेटिसिज्म और फील्डिंग के स्तर को बेहतर बनाने पर काम करेंगी।

साई किशोर ग्लूस्टरशायर के साथ जुड़े, 6 मुकाबलों का करार

नई दिल्ली, एजेंसी।

भारत के बाएं हाथ के स्पिनर आर साई किशोर ग्लूस्टरशायर के साथ जुड़े हैं। साई किशोर ने काउंटी चैंपियनशिप सीजन के शेष मुकाबलों के लिए ग्लूस्टरशायर के साथ 6 मुकाबलों का करार किया है।

यह काउंटी क्रिकेट में साई किशोर का दूसरा कार्यकाल होगा। पिछले साल इस स्पिनर ने सरे के लिए 2 मुकाबलों में 11 विकेट हासिल किए थे। वह चेल्टनहम में वॉर्सेस्टरशायर के खिलाफ 20 अगस्त को होने वाले मैच से उपलब्ध रहेंगे।

इंग्लैंड की महिला टीम के पूर्व कोच लुईस ने कहा, "हम साई किशोर को टीम में शामिल करने के लिए बहुत उत्साहित हैं। वह एक अनुभवी क्रिकेटर हैं जो हमारी टीम को काफी मजबूती देंगे। क्लब काउंटी चैंपियनशिप के आखिरी छह मुकाबलों में बेहतर क्रिकेट खेलने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है, और यह देखना वाकई दिलचस्प होगा कि सीजन के इस पड़ाव पर एक विदेशी स्पिनर का क्या असर होता है। साल के इस समय में हालात अक्सर स्पिन बॉलिंग के लिए बहुत अनुकूल होते हैं। हमें उम्मीद है कि साई महत्वपूर्ण योगदान दे पाएंगे और टीम पर बहुत सकारात्मक प्रभाव डालेंगे।

ग्लूस्टरशायर के साथ करार के बाद साई किशोर ने कहा, "यह मौका देने के लिए मैं जॉन और ग्लूस्टरशायर के सभी लोगों का बहुत आभारी हूं।

'फीफा विश्व कप में ट्विस्ट आना बाकी हीरो नॉकआउट राउंड में ही बनते हैं': रॉबी फाउलर

- नॉकआउट राउंड में हीरो बनते हैं और छोटे-छोटे पल फुटबॉल का इतिहास बदल सकते हैं।

नई दिल्ली, एजेंसी।

इंग्लैंड के पूर्व स्ट्राइकर रॉबी फाउलर का मानना है कि फीफा विश्व कप अपने सबसे जबरदस्त दौर में आ गया है। उन्होंने कहा कि ग्रुप स्टेज खत्म होने के बाद उत्सुकता काफी बढ़ जाती है और हर मुकाबला फाइनल जैसा लगता है। नॉकआउट राउंड में हीरो बनते हैं और छोटे-छोटे पल फुटबॉल का इतिहास बदल सकते हैं।

जी5 फीफा विश्व कप 2026 विशेषज्ञ पैनल का हिस्सा फाउलर ने कहा, "फीफा विश्व कप फुटबॉल का सबसे अच्छा रूप है। एक बार जब आप नॉकआउट राउंड में पहुंच जाते हैं, तो हर मैच फाइनल जैसा लगता है, और दबाव एक और स्तर बढ़ जाता है। यहीं हीरो बनते हैं और यहीं छोटे-छोटे पल इतिहास बना सकते हैं। हमने इस टूर्नामेंट में पहले ही कुछ जबरदस्त कहानियां देखी हैं। मुझे लगता है कि अभी भी बहुत सारे ट्विस्ट आने बाकी हैं।"

लिवरपूल के लेजेंड ने नॉर्वे की ब्राजील पर चौंकाने वाली जीत का सबूत देते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में पावर का संतुलन बदल गया है। अब बड़ी टीमें सफलता को हल्के में नहीं ले सकतीं। उन्होंने कहा, "पारंपरिक पावरहाउस और बाकी दुनिया के बीच का अंतर कभी इतना कम नहीं हुआ। हमने पहले ही नॉर्वे को ब्राजील को हराते देखा है, जिससे पता चलता है कि कोई भी टीम किसी भी चीज को हल्के में नहीं ले सकती। यही बात इस वर्ल्ड कप को इतना रोमांचक बनाती है – हर टीम को लगता है कि उनके पास मौका है और हर मैच कुछ अलग लेकर आता है। फाउलर ने यह भी कहा कि वह टूर्नामेंट के बाकी समय में भारत में फुटबॉल फैंस से जुड़ने के लिए उत्सुक हैं, साथ ही उन्होंने माना कि उनका सपोर्ट स्वाभाविक रूप से इंग्लैंड के साथ होगा। उन्होंने कहा, "मैं विशेषज्ञ पैनल में शामिल होकर खुश हूं और अपने विचार साझा करने और फैंस को विश्व कप के सबसे बड़े पलों के करीब लाने के लिए उत्सुक हूं।

राफेल मार्केज बने मेक्सिको फुटबॉल टीम के नए हेड कोच

मेक्सिको सिटी, एजेंसी।

मैक्सिकन फुटबॉल फेडरेशन (एफएमएफ) ने पूर्व कप्तान और दिग्गज डिफेंडर राफेल मार्केज को मेक्सिको की नेशनल फुटबॉल टीम का नया हेड कोच नियुक्त किया है। 47 वर्षीय मार्केज 2030 तक इस पद पर बने रहेंगे।

मार्केज जेवियर एगुइरे की जगह लेंगे, जिन्होंने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के राउंड ऑफ 16 में इंग्लैंड से मिली 2-3 की हार के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। एफएमएफ ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि मार्केज की नियुक्ति पहले से तय दीर्घकालिक योजना का हिस्सा है। इसका उद्देश्य पिछले विश्व कप चक्र में किए गए काम को आगे बढ़ाना, नेशनल टीम के खेल स्तर को और मजबूत करना तथा आने वाले इंटरनेशनल टूर्नामेंटों की बेहतर तैयारी करना है।

राफेल मार्केज मेक्सिको के सबसे सफल फुटबॉलर में गिने जाते हैं। उन्होंने अपने इंटरनेशनल करियर में देश के लिए 148 मैच खेले और कई बड़े टूर्नामेंटों में टीम का नेतृत्व किया। जुलाई 2024 से वह जेवियर एगुइरे के कोचिंग स्टाफ में सहायक कोच के रूप में काम कर रहे थे। अब उन्हें पहली बार नेशनल टीम की पूरी जिम्मेदारी सौंपी गई है।

ज्वेरेव पहली बार विंबलडन सेमीफ़ाइनल में पहुंचे

लंदन, एजेंसी। बुधवार को विंबलडन में अलेक्जेंडर ज़्वेरेव का सामना अपने सबसे मुश्किल प्रतिद्वंद्वियों में से एक टेलर फ्रिट्ज़ से हुआ, लेकिन दुनिया के नंबर 3 खिलाड़ी ने उस चुनौती को प्रेरणा में बदला और ग्रास-कोर्ट पर शानदार प्रदर्शन करते हुए एक नई उपलब्धि हासिल की। दुनिया के नंबर 7 खिलाड़ी टेलर फ्रिट्ज़ के खिलाफ लगातार सात मैच हारने के बाद, ज़्वेरेव ने बाजी पलट दी और 1 घंटे 59 मिनट में 6-4, 6-4, 6-2 से शानदार जीत दर्ज की। ज़्वेरेव, जिन्होंने पिछले महीने रौलां गैरो में अपना पहला बड़ा खिताब जीता था और पूरे आत्मविश्वास के साथ खेल रहे हैं, अब अपने पहले विंबलडन सेमीफ़ाइनल में पहुंच गए हैं।

पिकलबॉल वर्ल्ड कप यह टूर्नामेंट 30 अगस्त से 6 सितंबर तक वियतनाम के दा नांग शहर में खेला जाएगा

भारतीय टीम का ऐलान, हर्ष मेहता को मिली कप्तानी

मुंबई, एजेंसी।

भारतीय पिकलबॉल एसोसिएशन (आईपीए) ने पिकलबॉल वर्ल्ड कप 2026 के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। यह टूर्नामेंट 30 अगस्त से 6 सितंबर तक वियतनाम के दा नांग शहर में खेला जाएगा। भारतीय टीम का चयन कड़े ट्रायल और प्रतिस्पर्धी चयन प्रक्रिया के बाद किया गया है। यह टीम प्रोफेशनल वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करेगी।

इस बार टीम की कमान अनुभवी खिलाड़ी हर्ष मेहता को सौंपी गई है। हर्ष लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय पिकलबॉल सर्किट में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं और उनके अनुभव से टीम को काफी उम्मीदें हैं। हर्ष के साथ युवा खिलाड़ी अर्जुन सिंह भी टीम का हिस्सा हैं। अर्जुन अंडर-18 वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे और उसी वर्ग की टीम की कप्तानी भी संभालेंगे।

पुरुष टीम में हर्ष मेहता, अर्जुन सिंह, अनीश फ्रोलियन और अमन पटेल को जगह मिली है। वहीं, महिला टीम में मिहिका यादव, आलिया इब्राहिम, पर्ल अमलसदीवाला और नाओमी अमलसदीवाला को शामिल किया गया है। टीम के कप्तान हर्ष मेहता ने चयन के बाद खुशी जताते हुए कहा कि प्रतिभा मैच जिताती है, लेकिन एकजुट टीम ही चैंपियन बनाती है। उन्होंने कहा कि पूरी टीम अपनी क्षमता के अनुसार सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार है और उन्हें उम्मीद है कि भारत इस बार वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन करेगा। उन्होंने कप्तानी मिलने पर भारतीय पिकलबॉल एसोसिएशन का आभार भी जताया।

महिला टीम की खिलाड़ी पर्ल और नाओमी अमलसदीवाला ने पिछले एक साल में घरेलू प्रतियोगिताओं में लगातार शानदार प्रदर्शन किया है। दोनों ने महिला डबल्स और मिक्स्ड डबल्स में कई टूर्नामेंटों में पदक जीते हैं। नाओमी अमलसदीवाला और अर्जुन सिंह की जोड़ी मिक्स्ड डबल्स में भारत की सबसे मजबूत जोड़ियों में मानी जा रही है। हाल के समय में इस जोड़ी ने विश्व रैंकिंग की शीर्ष टीमों को हराकर अपनी क्षमता साबित की है।

भारतीय पिकलबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष सूर्यवीर सिंह भुल्लर ने कहा कि इस बार भारत के पास बेहद मजबूत और संतुलित टीम है। उन्होंने कहा कि हर्ष मेहता के नेतृत्व में अर्जुन, अनीश, अमन, आलिया, मिहिका, पर्ल अमलसदीवाला और नाओमी अमलसदीवाला जैसे खिलाड़ियों के रहते भारत सिर्फ मुकाबला करने नहीं, बल्कि खिताब जीतने के इरादे से वियतनाम जाएगा।

पिछले वर्ल्ड कप में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम इस बार नए उत्साह और बड़े लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेगी। बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित करने के लिए सभी चयनित खिलाड़ियों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके तहत तकनीकी कौशल, फिटनेस, मानसिक मजबूती और सही खेल पोषण पर ध्यान देते हुए विशेष ट्रेनिंग कैंप आयोजित किए जाएंगे, ताकि खिलाड़ी वर्ल्ड कप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें।

चोट के कारण प्रतिका रावल लॉर्ड्स टेस्ट से बाहर

लंदन, एजेंसी। लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ़ ऐतिहासिक वन-ऑफ़ टेस्ट से पहले भारत को एक झटका लगा है क्योंकि प्रतिका रावल इस मैच से बाहर हो गई हैं। दूसरे वनडे मैच के दौरान रावल के घुटने पर कट लग गया था और इस वजह से वह सीरीज़ के आखिरी मैच में भी नहीं खेल पाई थीं।

इंग्लैंड में इंडिया ए टीम का हिस्सा रहीं प्रिया पुनिया को रावल की जगह टीम में शामिल किया गया है। हेड कोच अमोल मजूमदार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में पुष्टि की, "प्रतिका रावल 'ए' सीरीज़ के दौरान लगी चोट के कारण टेस्ट मैच से बाहर हो गई हैं। उनके घुटने पर कट लग गया था जिसके लिए कुछ टांके लगाने पड़े।

सामंथा की 'मां इंटी बंगारम' का बनेगा सीक्वल

हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'मां इंटी बंगारम' का सीक्वल बनने वाला है। इस बात की पुष्टि खुद फिल्म के राइटर राज निदिमोरू ने की है। जानिए उन्होंने क्या कुछ कहा।

'मां इंटी बंगारम' की जबरदस्त सफलता के बाद विजाग में एक ग्रैंड सक्सेस मीट रखा गया था। इसी दौरान राज निदिमोरू ने फैंस को सरप्राइज देते हुए बताया कि फिल्म का दूसरा पार्ट भी आएगा। राज ने पहले वहां मौजूद लोगों से पूछा कि क्या वे इस कहानी को आगे बढ़ते हुए देखना चाहते हैं। जैसे ही लोगों ने जोरदार तालियां और चीयर किया, उन्होंने सीक्वल की घोषणा कर दी। उन्होंने कहा, 'मेरे दिमाग में पहले से एक आइडिया है। वही टीम इस पर काम करेगी। पहली बार मुझे किसी फिल्म का दूसरा पार्ट बनाने की प्रेरणा मिली है। इसमें दोगुना मजा और दोगुना एक्साइटमेंट होगा। आगे चलकर मैं इसके बारे में और जानकारी दूंगा।'

राज ने यह भी बताया कि 'मां इंटी बंगारम' को लोगों से इतना प्यार मिला कि उन्हें अपने पुराने हिट प्रोजेक्ट्स से भी ज्यादा खुशी हुई, क्योंकि यह फिल्म सीधे दिल को छू गई। नंदिनी रेड्डी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में सामंथा रुथ प्रभु के साथ गुलशन देवैया, श्रीमुखी और दिगंत मंचले नजर आए। इस फिल्म को सामंथा, राज निदिमोरू और हिमांशु ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। बॉक्स ऑफिस की बात करें तो यह फिल्म महिला लीड पर आधारित फिल्मों में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है।

1980 के दौर पर आधारित इस कहानी में सामंथा 'स्वर्णा' का किरदार निभा रही हैं, जो अपने परिवार की मर्जी के खिलाफ एक डॉक्टर से शादी करती है। शुरुआत में उसे ससुराल वालों का प्यार नहीं मिलता, लेकिन धीरे-धीरे वह सबका दिल जीत लेती है। तभी उसका अतीत लौटकर उसकी जिंदगी में उथल-पुथल मचा देता है।

सनी देओल के साथ काम करना मेरे करियर के लिए सौभाग्य की बात

अभिनेत्री दीया मिर्जा ने अभिनेता सनी देओल के साथ काम करने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि अभिनेता के साथ काम करना, उनके करियर के लिए सौभाग्य की बात है। फिल्म 'इक्का' में दीया मिर्जा और सनी देओल साथ दिखाई देंगे। 'इक्का' के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में बात करते हुए दीया ने कहा कि वह हमेशा से देओल परिवार की प्रशंसक रही हैं। इस प्रोजेक्ट के लिए हां कहने की वजह बताते हुए दीया ने कहा, 'जब मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी तो मुझे यह बहुत दिलचस्प, मानवीय और दमदार लगी। इसमें किरदारों को बहुत अनोखे, दिलचस्प और आकर्षक ढंग से दिखाया गया है, इसलिए मुझे हां कहना ही पड़ा। सनी देओल के साथ काम करना मेरे करियर के लिए सौभाग्य की बात है और मैं इसे लेकर बहुत खुश थी।' उन्होंने अपने को-स्टार्स तिलोत्तमा शोम और अक्षय खन्ना की भी तारीफ की।

दीया मिर्जा ने कहा कि मैं हमेशा से देओल परिवार की दयालुता, उदारता और जमीन से जुड़े रहने की तारीफ करती रही हूं। सनी देओल बिल्कुल वैसे ही हैं जैसा मैंने सोचा था, बल्कि उससे भी बेहतर। मैंने टीजर लॉन्च के समय भी यह बात कही थी। ऐसी फिल्म का हिस्सा बनना जिसमें तिलोत्तमा शोम और अक्षय खन्ना जैसे कलाकार हों, यह सच में अद्भुत है और सिद्धार्थ ने कहानी को बहुत संवेदनशीलता और समझदारी से पेश किया है। दीया मिर्जा ने अपने किरदार के बारे में बात करते हुए कहा कि अवंतिका एक ऐसी महिला है जो अपने आसपास के लोगों को अपनापन, हिम्मत और स्थिरता देती है, तब भी जब जिंदगी बहुत अनिश्चित हो जाती है। मैं उसकी हिम्मत और उस शांत साहस से प्रभावित हुई जिसके साथ वह अपनी चुनौतियों का सामना करती है। उन्होंने कहा कि 'इक्का' की खासियत यह है कि कोर्टरूम ड्रामा के पीछे परिवार, प्यार और मुश्किल फैसलों की एक गहरी मानवीय कहानी है। मैं नेटफ्लिक्स पर एक ऐसी कहानी के साथ वापसी करके बहुत खुश हूं जो भावनात्मक रूप से समृद्ध और बहुत दिलचस्प है, और मुझे उम्मीद है कि दर्शक इसे जरूर देखेंगे।

फिल्म 'मारिया' को जल्दबाजी में रिलीज करने के पक्ष में नहीं हैं रोहित शेट्टी

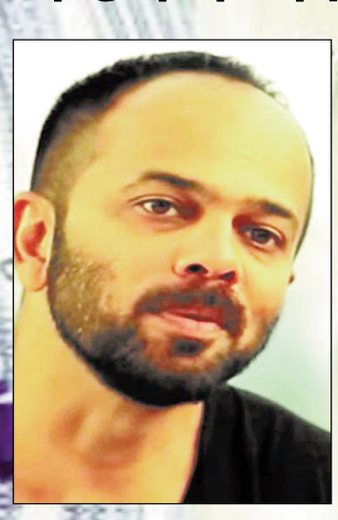

जॉन अब्राहम-तमन्ना भाटिया स्टारर प्रोजेक्ट 'मारिया' लगभग तैयार हो गया है। निर्देशक रोहित शेट्टी निर्देशित इस फिल्म में राकेश मारिया की जिंदगी और मुंबई अंडरवर्ल्ड की असली जंग पर आधारित कहानी देखने को मिलेगी। हालांकि दर्शकों को इसकी रिलीज के लिए थोड़ा इंतजार करना होगा। आमतौर पर किसी फिल्म की 95 फीसदी शूटिंग पूरी हो जाए तो मेकर्स रिलीज डेट तलाशने लगते हैं लेकिन रोहित की इस महत्वाकांक्षी फिल्म 'मारिया' की स्थिति इसके ठीक उलट है। यह प्रोजेक्ट लगभग तैयार माना जा रहा है, बावजूद इसके इसकी बची हुई शूटिंग और रिलीज दोनों फिलहाल थमी हुई हैं। सूत्रों के मुताबिक इसकी सबसे बड़ी वजह ये है कि रोहित का पूरा ध्यान इस समय अपनी कॉमेडी फ्रेंचाइज गोलमाल पर है।

एसेल स्टूडियो से हुई थी शुरुआत, कुछ पैचवर्क का काम है बाकी

सूत्रों के अनुसार फिल्म की मुख्य शूटिंग तो काफी पहले पूरी हो चुकी है पर अभी कुछ पैचवर्क, क्लोज-अप शॉट्स और सीमित सीक्वेंस ही बाकी हैं। तकनीकी तौर पर प्रोजेक्ट लगभग तैयार है लेकिन मेकर्स जल्दबाजी में इसे रिलीज करने के पक्ष में नहीं हैं। फिल्म की शुरुआत मुंबई के ट्रॉम्बे स्थित एसेल स्टूडियो से हुई थी, जहां पुलिस मुख्यालय, जांच कक्ष और प्रशासनिक दफ्तरों के बड़े सेट तैयार किए गए थे।

बॉलीवुड बनाम रीजनल सिनेमा की तुलना पर बोलीं दिव्या दत्ता

आज के दौर में बॉलीवुड और रीजनल सिनेमा की तुलना करते लोग हर तरफ देखने को मिल जाएंगे। इस पर अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने अपने विचार रखे हैं। इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि किसी भी फिल्म इंडस्ट्री को एक ही नजरिए से देखना सही नहीं है। हर जगह अच्छी और खराब दोनों तरह की फिल्में बनती हैं।

असली फर्क भाषा का नहीं, बल्कि कहानी और प्रस्तुति का होता है। जब दिव्या दत्ता से पूछा कि क्या रीजनल सिनेमा कॉमेडी फिल्मों को बॉलीवुड से बेहतर तरीके से पेश कर रहा है, तो इस सवाल पर उन्होंने कहा, ''इस तरह की तुलना करना सही नहीं है। किसी भी कॉमेडी फिल्म की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि उसकी कहानी कितनी मजबूत है और उसे दर्शकों के सामने किस तरह पेश किया गया है। मेरा मानना है कि अगर कंटेंट अच्छा है, तो वह किसी भी भाषा में हो, दर्शकों को जरूर पसंद आता है।'' दिव्या दत्ता ने कहा, ''फिल्म इंडस्ट्री को भाषा के आधार पर बांटना ठीक नहीं है। चाहे फिल्म हिंदी में हो, किसी रीजनल भाषा में हो या फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बनी हो, अगर कहानी दमदार है और उसे सही तरीके से दिखाया गया है तो वह लोगों के दिलों तक पहुंचती है। आज दर्शक काफी समझदार हो चुके हैं और वे सिर्फ नाम या भाषा देखकर फिल्म को पसंद नहीं करते, बल्कि कंटेंट को प्राथमिकता देते हैं।''

सेफ हैंड में है मेरा हिंदी डेब्यू

अपनी पहली बॉलीवुड फिल्म के संगीत को लेकर उत्साहित हैं जीवी प्रकाश

तमिल और तेलुगु सिनेमा में एक म्यूजिक कंपोजर के तौर पर अपनी पहचान बनाने के बाद जीवी प्रकाश कुमार अब 'नई नवेली' के साथ अपनी पहली बड़ी हिंदी फिल्म का म्यूजिक देने के लिए तैयार हैं। यह प्रोजेक्ट आनंद एल राय के प्रोडक्शन हाउस का है और इसे बालाजी मोहन डायरेक्ट कर रहे हैं। म्यूजिशियन जो एआर रहमान के भतीजे भी हैं ने यामी गौतम धर की फिल्म के लिए म्यूजिक बनाने, लिप-सिंक गानों के सदाबहार आकर्षण और अपनी फीस को लेकर उड़ रही अफवाहों के बारे में बात की।

अपने डेब्यू को बताया दिलचस्प

'नई नवेली' के लिए अपना पहला पूरा हिंदी म्यूजिक स्कोर तैयार करने के बारे में 'वैरायटी इंडिया' से बात करते हुए जीवी प्रकाश कुमार ने हिंदी सिनेमा में अपने सफर को याद किया। प्रोजेक्ट को लेकर उत्साह जाहिर करते हुए उन्होंने कहा कि मुझे 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' पर काम करने का मौका मिला, क्योंकि अनुराग कश्यप मेरे बहुत अच्छे दोस्त थे। लेकिन यह मेरे लिए पूरी तरह से हिंदी डेब्यू नहीं था। जहां तक आनंद एल राय के बैनर तले बन रही 'नई नवेली' की बात है, तो मैं इसके सभी गाने कंपोज कर रहा हूं। यह बहुत दिलचस्प होगा। मुझे यकीन है कि गाने बहुत अच्छे बनेंगे। यामी गौतम इसमें लीड रोल निभा रही हैं। हम सब जानते हैं कि वह कितनी खूबसूरती से भावनाएं जाहिर करती हैं। इसलिए मेरे गाने सुरक्षित हाथों में हैं। 'नई नवेली', जिसे बालाजी मोहन डायरेक्ट कर रहे हैं एक ऐसी फिल्म होगी जिसका बेसब्री से इंतजार रहेगा।

हर म्यूजिक स्कोर मेरे लिए एक चुनौती है

जब उनसे पूछा गया कि क्या हिंदी फिल्म के लिए म्यूजिक बनाना तमिल या तेलुगु प्रोजेक्ट पर काम करने से अलग लगता है? इस पर संगीतकार ने तुरंत किसी भी तरह के फर्क की बात को नकार दिया। उन्होंने कहा कि मेरे लिए यह तेलुगु या तमिल फिल्म से अलग नहीं है। हर म्यूजिक स्कोर मेरे लिए एक चुनौती होती है। भाषा से कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं हर स्कोर को ऐसे बनाता हूं जैसे वह मेरा पहला स्कोर हो।

म्यूजिक कंपोजर के साथ सिंगर और एक्टर भी हैं जीवी प्रकाश

जीवी प्रकाश कुमार एक म्यूजिक कंपोजर, सिंगर और एक्टर हैं। उन्होंने 120 से ज्यादा तमिल और तेलुगु फिल्मों में काम किया है। उन्हें 'सूरराई पोटरु' के लिए बेस्ट म्यूजिक डायरेक्शन का नेशनल अवॉर्ड मिला। वे मशहूर म्यूजिक कंपोजर एआर रहमान के भांजे हैं। म्यूजिक के अलावा वो तमिल सिनेमा में एक लोकप्रिय एक्टर भी हैं और अपनी 2015 की फिल्म 'डार्लिंग' के लिए जाने जाते हैं।

पुलिसवालों के प्रति मेरी समझ बहुत बढ़ गई

रियलिटी शो से लेकर टीवी और अब ओटीटी तक शालीन भनोट ने अपने करियर में लगातार नए मोड़ देखे हैं। उतार-चढ़ाव, चर्चाओं और निजी जिंदगी पर हुई सार्वजनिक बहसों के बीच उन्होंने एक बात नहीं बदली, जहां जरूरी नहीं होता, वहां वह चुप रहना बेहतर है। अपने किरदारों के लिए सख्त अनुशासन अपनाने वाले शालीन मानते हैं कि फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन जितना कठिन होता है, उतना ही चुनौतीपूर्ण मानसिक बदलाव भी होता है। पिछले दिनों अपनी वेब सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश' के दूसरे सीजन को लेकर काफी चर्चा में रहे।

शालीन ने कहा- मेरी जिंदगी के कई फेज पब्लिक डिस्कशन में रहे पर मैंने कोई दूरी नहीं बनाई। दरअसल, मेरी पर्सनल लाइफ मेरी है। मेरा अपना एक दायरा है और मैं उसे हमेशा मेंटेन करता हूं। मैं हमेशा से ऐसा करता आया हूं। प्रोफेशनल लाइफ अपनी जगह है। मुझे इसमें कोई तकलीफ नहीं होती। मैंने कोई दायरा बनाने के बारे में अलग से सोचा भी नहीं है। मेरी पब्लिक मेरी सब कुछ है। आज मेरे करोड़ों फॉलोअर्स हैं। अलग-अलग सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म पर हैं, उन्हें मेरे बारे में सब पता है। मुझे उसमें कोई शर्म नहीं है और मैं किसी को जज भी नहीं करता। जहां मुझे नहीं बोलना होता, वहां मैं नहीं बोलता और वैसे ही अपनी पब्लिक को भी नहीं बोलता। बाकी मेरे घर में ना मीडिया वाले घुसते और ना ही फैंस क्योंकि सबकी एक सीमा होती है। मेरे लिए फिजिकल और इमोशनल दोनों ही ट्रांसफॉर्मेशन मुश्किल हैं। अगर कोई बोले कि दो महीने के अंदर पूरा लुक बदलना है तो बहुत मुश्किल हो जाती है। मैंने करके देखा है इसलिए कह रहा हूं। फिजिकल के अलावा कई बार मेंटली ज्यादा चैलेंजिंग हो जाता है। दरअसल, बोला जाता है कि यह नहीं, वो नहीं खाना है, तीन महीने बाद यह करना है। मैंने भी करीब 110 दिन बहुत डिसिप्लिन से काम किया।

पुलिसवालों के प्रति मेरी समझ बहुत बढ़ गई

एक कॉप का कैरेक्टर करने के बाद मेरी उनके प्रति समझ बहुत बढ़ गई है। कई बार हमें लगता है कि एयर होस्टेज का काम सिर्फ पानी और खाना देना है लेकिन ऐसा नहीं है। आप जब दूसरी तरफ का काम समझते हैं तो पता चलता है कि वह कितना महत्वपूर्ण है। वह आपातकाल परिस्थितियों में आपकी जान बचाती हैं। उन्हें मेडिकल नॉलेज भी दी जाती है। इसी तरह, जब पुलिसवाले को देखते हैं तो आपको लगता है कि अच्छा, यही उनका काम है लेकिन असल में उनका काम बहुत मुश्किल होता है। उसमें सही और गलत की परख करना मुश्किल है। एक पुलिसवाले के लिए, वो भी एक एनकाउंटर स्पेशलिस्ट के लिए यह और कठिन हो जाता है। एनकाउंटर स्पेशलिस्ट जो होता है, उसे एक सेकेंड में सही और गलत का फैसला करना होता है। कहां गोली मारनी है, हवा में चलानी है, पैर पर हिट करना है, मारना है या नहीं मारना है? यह जजमेंट उसे उसी पल लेना होता है। आप जब इस बात को समझते हो तो पुलिस के लिए बहुत रिस्पेक्ट बढ़ जाती है। उन्हें किसी के जीवन के बारे में फैसला लेना पड़ता है। यह बहुत मुश्किल और ट्रिकी सिचुएशन होती है।

अभी तो बहुत सारे बदलाव आने बाकी हैं

मेरा सफर रोडीज, टीवी, फिक्शन, डांस रियलिटी, बिग बॉस, बेकाबू और अब ओटीटी तक आया है। इस सफर में मैं हर फेज के बाद बदल रहा हूं। यहां तक कि जीवन के हर पल में मैं खुद को बदलता हुआ महसूस कर रहा हूं। इस साल मुझे ऐसा लगता है कि मैं बहुत सीरियसली बदल रहा हूं। हर पड़ाव में मुझे बदलाव दिखे हैं। मैंने जब बिग बॉस किया था, वह भी बहुत बड़ा पड़ाव और बदलाव था। आप जब करोड़ों लोगों के सामने एकदम से बाहर आते हो तो वह पल कमाल होता है। मैं टोरंटो में था, वहां अपना शो कर रहा था। हजारों लोग आए थे। मैंने अपने लिए स्टेडियम भरे हुए देखे हैं। मुझे लगा कि वाह क्या बात है। फिर अगले ही पल दिलजीत दोसांझ का शो देख लिया तो मन छोटा हो गया कि अभी जिंदगी में आगे बहुत कुछ पाना बाकी है। अभी तो बहुत सारे चेंजेस आने हैं और मुझे लगता है कि सारे बदलाव अच्छे ही होंगे।

टीवी जो मोहब्बत देता है, वो कोई नहीं दे सकता

टीवी और ओटीटी, दोनों मीडियम अलग हैं। टीवी ने मुझे बहुत प्यार दिया है। टीवी जो मोहब्बत देता है, वो कोई नहीं दे सकता। इसके जरिए आप हर घर में पहुंच जाते हैं। आज जितना मैं जाना जाता हूं, वह टीवी की वजह से है। वही वेब की एक रिच मार्केट और ऑडियंस है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **सुनील कुमार** द्वारा वी-22 खजूर वाली गली नम्बर-2 अरविंद नगर, घोंडा दिल्ली-110053 से प्रकाशित एवं कारे प्रिंटिंग प्रेस 574ए विजय पार्क गली नम्बर-2 मौजपुर दिल्ली-110053 से मुद्रित।
किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **सम्पादक : सुनील कुमार** RNI NO.- DELHIN/2007/22401